जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 17 दिनांक: 28-12-2021 मंगलवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

सरकार ने जारी की गाइडलाइंस, एक जनवरी से शुरू होगा किशोरों के टीकाकरण का पंजीकरण, कोविन एप में किया गया प्रावधान

महात्मा गांधी के खिलाफ विवादित टिप्पणी पर कालीचरण महाराज के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करेगी महाराष्ट्र सरकार

सरकार ने जारी की गाइडलाइंस, एक जनवरी से शुरू होगा किशोरों के टीकाकरण का पंजीकरण, कोविन एप में किया गया प्रावधान

नई दिल्ली। तीन जनवरी से शुरू होने जा रहे 15 से 18 साल आयुवर्ग के किशोरों के कोरोना टीकाकरण के लिए एक जनवरी से पंजीकरण शुरू हो जाएगा। इसके लिए कोविन एप पर स्कूल के पहचान पत्र (आइडी कार्ड) से भी पंजीकरण का प्रविधान किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य मंत्रालय ने किशोरों के टीकाकरण के साथ-साथ हेल्थकेयर व फ्रंटलाइन वर्कर्स और गंभीर बीमारी से पीडित 60 साल से अधिक उम्र के लोगों को सतर्कता (प्रिकाशन) डोज देने की गाइडलाइंस भी जारी कर दी हैं।

तीन जनवरी से प्रभावी इन गाइडलाइंस के अनुसार, किशोरों के टीकाकरण के लिए कोविन पोर्टल पर आनलाइन या टीकाकरण केंद्र पर आफलाइन दोनों तरह से पंजीकरण कराने की सुविधा होगी। कोविन पोर्टल पर पंजीकरण के लिए वे अपने माता-पिता या अभिभावक की पहले से मौजूद आइडी से लागिन कर सकते हैं या फिर नए मोबाइल से ओटीपी के जरिये भी लागिन कर सकते हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की गाइडलाइंस में 15 से 18 साल के किशोरों को सिर्फ कोवैक्सीन लगाए जाने की बात कही गई है और उन्हें उसकी वही डोज लगाई जाएगी जो वयस्कों को लगाई गई है। हालांकि, ड्रग कंट्रोलर जनरल आफ इंडिया (डीसीजीआइ) जायडस कैडिला के टीके जायकोव-डी को भी इमरजेंसी इस्तेमाल की इजाजत दे चुका है, जिसका ट्रायल 12 साल से अधिक उम्र के बच्चों पर भी किया गया था। इस संबंध में पूछे जाने पर स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जायकोव-डी को टीकाकरण अभियान में शामिल किया जा रहा है, लेकिन इसकी सीमित आपूर्ति और लगाने की अलग विधि के कारण समय लग रहा है। उन्होंने कहा कि कोवैक्सीन के अलावा कई अन्य टीकों का विभिन्न आयुवर्ग के बच्चों पर ट्रायल अंतिम चरण में है और डीसीजीआइ से हरी झंडी मिलने पर उन्हें भी किशोरों के टीकाकरण में इस्तेमाल किया जा सकता है।

दूसरी डोज के नौ महीने बाद लगेगी सतर्कता डोज

गाइडलाइंस के अनुसार, 10 जनवरी से शुरू होने जा रहे हेल्थकेयर व फ्रंटलाइन वर्कर्स और गंभीर बीमारी से पीड़ित 60 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को टीके की दूसरी डोज के नौ महीने (39 हफ्ते) पूरे होने के बाद ही सतर्कता डोज दी जाएगी। 60 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को अपनी बीमारी के लिए डाक्टर का प्रमाणपत्र देना होगा। जबकि हेल्थकेयर और फ्रंटलाइन वर्कर्स के पास नौ महीने पूरे होने के बाद खुद ही सतर्कता डोज लेने का एसएमएस आ जाएगा। वैसे ये सभी कोविन पोर्टल पर अपनी पुरानी लागिन आइडी से टीका लगवाने के लिए पहले से समय और स्थान बुक कर सकते हैं। उन्हें टीकाकरण केंद्र पर जाकर भी इसे लगवाने की सुविधा होगी। सतर्कता डोज लगवाने वाले व्यक्ति के टीकाकरण प्रमाणपत्र में इस डोज का भी उल्लेख होगा।

गाइडलाइंस में स्पष्ट नहीं, किस टीके की लगेगी सतर्कता डोज

स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपनी नई गाइडलाइंस में यह स्पष्ट नहीं बताया कि सतर्कता डोज के रूप में पहले दिए गए टीके को ही लगाया जाएगा या फिर दूसरा टीका भी लगवाया जा सकता है। इस संबंध में पूछे जाने पर स्वास्थ्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि फिलहाल इसकी शुरुआत पुराने टीके की ही सतर्कता डोज के रूप में हो रही है। यानी कोविशील्ड या कोवैक्सीन लगवाने वाले लोग सतर्कता डोज के रूप में वही डोज ले सकेंगे जिसे उन्होंने पहले लिया था।

सरकारी केंद्रों पर मुफ्त में ही लगेंगी डोज

मंत्रालय ने यह भी कहा है कि सरकारी टीकाकरण केंद्रों पर सभी नागरिकों को टीके पूर्व की तरह मुफ्त में उपलब्ध होंगे, भले ही उनकी आय कुछ भी हो। हालांकि जो लोग टीकों के लिए भुगतान करने की सामर्थ्य रखते हैं, उन्हें निजी अस्पतालों के टीकाकरण केंद्रों का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

चीन के पांच उत्पादों पर सरकार ने लगाई एंटी डंपिंग डयूटी

मुंबई (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देने के ?लिए और स्थानीय ??वि?निर्माताओं को सस्ते आयात से बचाने के लिए पांच चीनी सामानों पर पांच साल के लिए डंपिंग रोधी शुल्क यानी एंटी-डंपिंग डयूटी लगा दी है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआइसी) ने इस संबंध में अलग-अलग अधिसूचना जारी की है। इसके तहत एल्यूमीनियम के कुछ फ्लैट रोल्ड उत्पादों, सोडियम हाइड्रोसल्फाइट, सिलिकान सीलेंट, हाइड्रोफ्लोरोकार्बन कंपोनेंट आर-32 और हाइड्रोफ्लोरोकार्बन मिश्रण पर शुल्क लगाया गया है। यह शुल्क वाणिज्य मंत्रालय की जांच शाखा डायरेक्टोरेट जनरल आफ ट्रेड रेमेडीज (डीजीटीआर) की सिफारिशों के बाद लगाए गए हैं। डीजीटीआर ने अलग-अलग जांच में पाया है कि इन उत्पादों को भारतीय बाजारों में सामान्य मूल्य से कम कीमत पर निर्यात किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप डंपिंग हुई है। डीजीटीआर ने कहा कि डंपिंग से घरेलू उद्योगों को नुकसान हुआ है। सीबीआईसी ने घरेलू ?वि?निर्माताओं को सस्ते चीनी आयात से बचाने के लिए सीकेडी, एसकेडी में ट्रेलरों के लिए एक व्हीकल कंपोनेंट-एक्सल पर भी एंटी डंपिंग डयूटी लगाई गई है। इसी तरह ईरान, ओमान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से कैलक्लाइंड जिप्सम पाउडर के आयात पर भी पांच साल के लिए शुल्क लगाया गया है। गौरतलब है ?कि डीजीटीआर शुल्क लगाने की सिफारिश करता है, लेकिन इस पर आ?खिरी फैसला वित्त मंत्रालय करता है।

वरुण गांधी का फिर अपनी ही सरकार पर निशाना तय करें- रैलियां जरूरी हैं या कोरोना को रोकना

नई दिल्ली (ईएमएस)। भाजपा सांसद वरुण गांधी के पार्टी के खिलाफ ही बयानबाजी का सिलसिला लगातार जारी है। अब उन्होंने राज्य में ओमिक्रॉन से निपटने के लिए लागू नाइट कर्फ्यू को लेकर भी सवाल उठाया है। वरुण गांधी ने ट्वीट कर कहा है कि एक तरफ रात में कर्फ्यू लग रहे हैं और दिन में रैलियों में लाखों लोगों की भीड़ जुट रही है। यह घटनाक्रम सामान्य जनमानस की समझ से परे है। वरुण गांधी ने सोमवार को ट्वीट किया, 'रात में कर्फ्यू लगाना और दिन में रैलियों में लाखों लोगों को बुलाना- यह सामान्य जनमानस की समझ से परे है।' इसी ट्वीट में उन्होंने कहा, 'उत्तर प्रदेश की सीमित स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के मद्देनजर हमें ईमानदारी से यह तय करना पड़ेगा कि हमारी प्राथमिकता भयावह ओमीक्रोन के प्रसार को रोकना है अथवा चुनावी शक्ति प्रदर्शन।' उन्होंने कहा कि नीति निर्माताओं को सामने से नेतृत्व करना चाहिए ताकि आम जनता को घरों में रहने के लिए प्रेरित किया जा सके। गांधी ने उल्लेख किया कि अधिकतम संक्रमण आमतौर पर दिन के दौरान होता है, क्योंकि रात में सड़कों पर कम लोग होते हैं। उन्होंने सामाजिक समारोहों में सख्ती से कटौती करने का आह्वान किया, जो कोविड के फैलने का कारण बन सकते हैं। उन्होंने मार्च 2021 में महाराष्ट्र सरकार को केंद्र की ओर से भेजे गए नोट का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि रात्रि कर्फ्यू, सप्ताहांत लॉकडाउन जैसे उपायों का संक्रमण का प्रसार रोकने या कम करने पर बहुत सीमित प्रभाव पड़ता है। नोट में कहा गया था कि प्रशासन को कठोर तथा प्रभावी रोकथाम रणनीति पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। गांधी ने समग्र रणनीति का आह्वान किया। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश के विभिन्न राज्यों में कोविड के मामलों में बढ़ोतरी को देखते हुए शनिवार, 25 दिसंबर से प्रदेशव्यापी रात्रिकालीन कोरोना कर्फ्यू लागू किए जाने के निर्देश दिए। रात्रिकालीन कोरोना कर्फ्यू प्रदेश में रात्रि 11 बजे से सुबह पांच बजे तक के लिए लागू किया गया है। दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी की जन विश्वास यात्रा की जनसभाओं में भीड़ जुट रही है और पार्टी के प्रमुख नेताओं की जनसभाओं का आयोजन राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में किया जा रहा है। भाजपा ने राज्य के छह क्षेत्रों से पिछले दिनों जन विश्वास यात्रा शुरू की, जो प्रदेश की सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगी।

महात्मा गांधी के खिलाफ विवादित टिप्पणी पर कालीचरण महाराज के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करेगी महाराष्ट्र सरकार

धर्मगुरु कालीचरण महाराज के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन

मुंबई। महाराष्ट्र की महाविकास आघाड़ी सरकार ने धर्मगुरु कालीचरण महाराज के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। कालीचरण महाराज पर यह कार्रवाई महात्मा गांधी पर की गई उनकी अभद्र टिप्पणी के कारण की जाएगी। अपने शिव स्तोत्र के लिए चर्चित कालीचरण महाराज द्वारा रायपुर की धर्मसंसद में महात्मा गांधी के विरुद्ध अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया था। उन्होंने महात्मा गांधी की हत्या करनेवाले नाथूराम गोडसे की प्रशंसा भी की थी।

महाराष्ट्र विधानसभा में गरमाया महात्मा गांधी के खिलाफ टिप्पणी मामला

सोमवार को महाराष्ट्र विधानसभा में उनके इस वक्तव्य के विरुद्ध मंत्री नवाब मलिक ने उनपर सख्त कार्रवाई करने का प्रस्ताव पेश किया। नवाब मलिक ने कालीचरण महाराज को फर्जी बाबा बताते हुए कहा कि इंटरनेट मीडिया पर फर्जी बाबा का एक बयान वायरल हो रहा है, जिसमें वह महात्मा गांधी के विरुद्ध अभद्र भाषा का प्रयोग करते दिखाई दे रहे हैं।

नवाब मलिक ने कहा कि कोई महात्मा गांधी की विचारधारा का विरोधी हो सकता है, लेकिन उनके हत्यारों की प्रशंसा कैसे की जा सकती है ? यह काम पिछले सात साल (यानी भाजपा सरकार आने के बाद) से किया जा रहा है। नाथूराम गोडसे के मंदिर बनवाए जा रहे हैं। हमें ऐसे लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। मलिक के अनुसार फर्जी बाबा ने यह बयान चाहे जहां (रायपुर में) दिया हो, लेकिन वह अकोला के रहनेवाले हैं। उनपर सरकार को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

कांग्रेस और भाजपा ने की बयानों की निंदा

कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार एवं भाजपा नेता सुधीर मुनगंटीवार ने भी कालीचरण महाराज के बयानों की निंदा की। विजय वडेट्टीवार ने कहा कि महात्मा गांधी महामानव हैं। 56 देशों में उनकी प्रतिमाएं लगी हैं। उनके विरुद्ध इस प्रकार की भाषा का प्रयोग किया जाना निंदनीय है। भाजपा नेता सुधीर मुनगंटीवार ने भी कालीचरण महाराज के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग से सहमति जताते हुए कहा कि ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई होनी ही चाहिए।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने चुनाव आयोग को सौंपी कोविड-19 की रिपोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। महामारी कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को देश भर में टीकाकरण कवरेज की स्थिति के साथ-साथ बढ़ते कोविड मामलों पर चुनाव आयोग को एक रिपोर्ट सौंपी। मंत्रालय के एक सूत्र के अनुसार, चुनाव आयोग और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने पांच चुनाव वाले राज्यों पर विशेष ध्यान देने के साथ देश भर में नए कोविड वैरिएंट ओमिक्रॉन मामलों की बढ़ती संख्या पर चर्चा की। स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने राज्यों में ओमिक्रॉन वैरिएंट के फैलने के संबंध में एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की है।

अगले तीन महीनों में ओमिक्रॉन के प्रसार के बारे में पूछे जाने पर स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि फिलहाल कुछ नहीं कहा जा सकता है। उन्होंने बैठक में कहा कि दैनिक कोविड मामलों के साथ संक्रमण की वर्तमान दर के अनुसार अगले कुछ महीनों में लगभग 25 प्रतिशत का उछाल देखा जा सकता है।

सूत्र ने कहा कि स्वास्थ्य अधिकारियों ने उन जिलों के बारे में भी जानकारी दी जहां आर वैल्यू में वृद्धि हुई है। 2022 में पांच राज्यों- उत्तर प्रदेश, मणिपुर, उत्तराखंड, गोवा और पंजाब में विधानसभा चुनाव होने हैं। हालांकि, विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा जनवरी के पहले सप्ताह में किए जाने की संभावना है। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और अन्य अधिकारी मंगलवार को राज्य में चुनावी तैयारियों का जायजा लेने के लिए उत्तर प्रदेश का दौरा करेंगे।

बयान देकर फंसे सिद्धू, डीएसपी ने मानहानि का नोटिस भेजकर माफी मांगने को कहा

चंडीगढ़ (ईएमएस)। सुल्तानपुर लोधी में रैली के दौरान पंजाब कांग्रेस प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू ने पुलिस पर आपत्तिजनक टिपण्णी की थी। मामले में चंडीगढ़ पुलिस के डीएसपी दिलशेर सिंह चंदेल ने सिद्धू को मानहानि का नोटिस भेजकर बिना शर्त माफी मांगने को कहा है।

चंदेल ने अपने वकील रंजीवन सिंह के द्वारा सिद्धू को लीगल नोटिस भेजकर कहा है कि सिद्धू का बयान पुलिस की प्रतिष्ठा पर वार है, जिसके लिए सिद्धू को माफी मांगनी चाहिए। अगर सिद्धू ने अपने बयान पर बिना शर्त माफी नहीं मांगी ,तब मामले को लेकर सिद्धू के खिलाफ मानहानि का केस दर्ज करवा सकते हैं।

बीते दिनों सुल्तानपुर लोधी में कांग्रेस विधायक नवतेज सिंह चीमा की रैली में पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के पुलिस पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

राकेश टिकैत ने फिर केंद्र सरकार पर साधा निशाना हम नहीं चाहते देश का प्रधानमंत्री माफी मांगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। दरअसल एक साल से अधिक समय तक चले किसान आंदोलन की समाप्ति के बाद अब राकेश टिकैत एमएसपी की गारंटी और कुछ अन्य मांगों के लिए भी केंद्र सरकार से समय-समय पर मांग करते रहते हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने एक पंचायत के दौरान ये भी कहा कि किसान एक साल के आंदोलन के बाद अब आराम कर रहे हैं यदि सरकार ने उनकी बकाया मांगों पर जल्द विचार नहीं किया तो उनके ट्रैक्टर भी तैयार है और उनके मुंह भी दिल्ली की तरफ ही है। जल्द ही वो नए सिरे से आंदोलन की रणनीति बनाएंगे और बाकी बची मांगों के लिए प्रदर्शन करेंगे। इससे पहले कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर के एक बयान को लेकर भी उन्होंने अपना पक्ष रखा था। कृषि मंत्री नरेन्द्र तोमर के बयान को लेकर भ्रम फैलाया गया था कि सरकार फिर से कृषि कानून ला सकती है। इस पर तमाम किसान संगठनों ने सख्त प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। राकेश टिकैत ने ट्वीट करते हुए लिखा था कि हम एक कदम पीछे हटे हैं, फिर आगे बढ़ेंगे, नागपुर में कृषि मंत्री का यह बयान देशभर के किसानों के साथ छल वाला और देश के प्रधानमंत्री को भी नीचा दिखाने वाला है। भाकियू ऐसे गैरजिम्मेदाराना बयान की घोर निंदा

पीएम मोदी ने हिमाचल में 28,197 करोड़ से अधिक की 287 निवेश परियोजनाओं की नींव रखी

शिमला (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश के मंडी में जयराम ठाकुर की अगुवाई वाली भाजपा सरकार की चौथी वर्षगांठ पर 28,197 करोड़ रुपए से अधिक की 287 निवेश परियोजनाओं की नींव रखी। इस दौरान उन्होंने एक जनसभा को संबोधित करते हुए हिमाचल प्रदेश को छोटी काशी बताया। उन्होंने कहा हिमाचल से मेरा हमेशा से एक भावात्मक रिश्ता रहा है।

हिमाचल की धरती ने मेरे जीवन को दिशा देने में अहम भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज डबल इंजन की सरकार के भी 4 साल पूरे हुए हैं। सेवा और सिद्धि के इन 4 सालों के लिए हिमाचल की जनता जनार्दन को बहुत बहुत बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि जयराम जी और उनकी परिश्रमी टीम ने हिमाचलवासियों के सपनों को पूरा करने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी है।

इन चार वर्षों में 2 साल हमने मजबूती से कोरोना से भी लड़ाई लड़ी है और विकास के कार्यों को भी रुकने नहीं दिया। बीते चार सालों में हिमाचल को पहला एम्स मिला, हमीरपुर, मंडी, चंबा और सिरमौर में चार नए मेडिकल कॉलेज स्वीकृत किए गए। अभी यहां थोड़ी देर पहले 11,000 करोड़ रुपये की लागत वाले चार बड़े हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास या फिर लोकार्पण किया गया है। उन्होंने कहा कि हिमाचल की कनेक्टिविटी को सशक्त करने के लिए अनेक प्रयास जारी हैं।

उन्होंने कहा कि श्री रेणुका जी हमारी आस्था का अहम केंद्र है। भगवान परशुराम और उनकी मां रेणुका जी के स्नेह की प्रतीक इस भूमि से आज देश के विकास के लिए भी एक धारा निकली है। गिरी नदी पर बन रही श्री रेणुकाजी बांध परियोजना जब पूरी हो जाएगी तो एक बड़े क्षेत्र को इससे सीधा लाभ होगा। इस प्रोजेक्ट से जो भी आय होगी उसका भी एक बड़ा हिस्सा यहीं के विकास पर खर्च किया जाएगा। उन्होंने कहा देश के नागरिकों का जीवन आसान बनाना, हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें बिजली की बहुत बड़ी भूमिका है।

मुंबई में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 809 नए मामले सामने आए

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 809 नए मामले सामने आए और तीन मरीजों की मौत गई। रविवार को जारी आंकड़ों में मुंबई में 922 केस सामने आए थे। मुंबई में महाराष्ट्र के सर्वाधिक केस सामने आ रहे हैं। मुंबई में भी बीएमसी ने नए साल के जश्न, सार्वजनिक स्थानों पर पार्टी, होटल-रेस्तरां, बार, क्लब के साथ ही सोसायटी की इमारतों में भी किसी भी प्रकार के सामूहिक आयोजन पर रोक लगाई है।

मुंबई में पिछले 24 घंटे में 335 मरीज कोरोना से उबरे हैं। राजधानी में एक्टिव केस की तादाद 4765 हो गई है। मुंबई में कोरोना के अब तक कुल 7,71921 मरीज मिल चुके हैं। इनमें से 7.48 लाख मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। मुंबई में कोविड से कुल 16373 मरीजों की मौत हुई है। देश की औद्योगिक राजधानी में अब तक 1.34 करोड़ से ज्यादा टेस्ट हो चुके हैं। मुंबई में रिकवरी रेट 97 फीसदी है। जबकि पिछले एक हफ्ते में कोविड केस बढ़ने की रफ्तार 0.07 फीसदी रही है। मुंबई में मरीज 967 दिनों में दोगुना हो रहे हैं।

मुंबई समेत महाराष्ट्र में ओमिक्रॉन वैरिएंट के केस भी तेजी से बढ़ रहे हैं। दिल्ली के बाद महाराष्ट्र में ओमिक्रॉन के सबसे ज्यादा मरीज हैं। इनमें से विदेश से आने वाले कई यात्री शामिल हैं। महाराष्ट्र सरकार ने कोविड प्रोटोकॉल को लेकर फिर सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। मुंबई में भी न्यू ईयर को लेकर होने वाले आयोजनों पर सख्ती कर दी गई है। मुंबई में कोरोना को लेकर 29 इमारतें अभी भी सील हैं। जबकि पिछले 24 घंटे मे 2569 अत्यधिक जोखिम वाले लोगों की कांटैक्ट ट्रेसिंग की गई है।

इत्र कारोबारी पीयूष जैन को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया

कानपुर (ईएमएस)। करोड़ों की कर चोरी और अघोषित संपत्ति मिलने के मामले में कानपुर के इत्र व्यापारी पीयूष जैन को सोमवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है। रविवार रात को गिरफ्तार करने के बाद पीयूष जैन को सोमवार को रिमांड मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया।

डीजी जीएसटी इंटेलिजेंस टीम का प्रयास पीयूष जैन को अपनी रिमांड में लेने का रहेगा। इसके पहले पान मसाला तथा अन्य व्यवसाय से जुड़े अकूत संपत्ति के मालिक पीयूष जैन को सोमवार को कानपुर में महानगर मजिस्ट्रेट की कोर्ट में पेश किया गया। रविवार को गिरफ्तारी के बाद पीयूष जैन रात भर कानपुर के काकादेव थाने में रहा और सुबह जीएसटी टीम कोर्ट में पेश करने अपने साथ लेकर गई। पेशी के बाद कोर्ट में दरवाजा बंदकर जैन की रिमांड को लेकर बहस चली।

सोमवार की सुबह मेडिकल कराने के बाद चार बजे पीयूष जैन को रिमांड मजिस्ट्रेट की कोर्ट में पेश किया गया। जीएसटी की टीम ने इत्र कारोबारी के कानपुर और कन्नौज स्थित आवास व अन्य ठिकानों से 300 करोड़ रुपए से अधिक की अघोषित संपत्ति जब्त की है।मामले में रविवार को जीएसटी ने इत्र कारोबारी को गिरफ्तार कर लिया था।

मीडिया के लोगों ने उससे तमाम बाहर बातचीत करने की कोशिश की लेकिन उसने मुंह नहीं खोला। इसके बाद सुबह करीब 10:30 बजे जीएसटी की टीम दोबारा कल्याणपुर थाने में पहुंची। इसके बाद दोपहर 12:50 पर जीएसटी की टीम भारी सुरक्षा के बीच उसे अपने साथ ले गई। उसका हैलेट में मेडिकल परीक्षण भी कराया गया है। दोपहर बाद इत्र कारोबारी पीयूष जैन को रिमांड मजिस्ट्रेट कोर्ट योगिता सिंह की कोर्ट में पेश किया गया।

256 जिलों में सोने की हॉलमार्किंग अनिवार्य: सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार देश के 256 जिलों में सोने के आभूषणों की अनिवार्य हॉलमार्किंग लागू हो चुकी है और सभी जिलों तक इसका विस्तार करने की तैयारी है। हॉलमार्किंग एक गुणवत्ता प्रमाणपत्र है, जिसे देश के 256 जिलों में 23 जून 2021 से 14, 18 और 22 कैरेट सोने के आभूषणों के लिए अनिवार्य कर दिया गया है। इन 256 जिलों में कम से कम एक हॉलमार्किंग केंद्र है। मंत्रालय ने मंत्रिमंडल के लिए तैयार अपनी मासिक रिपोर्ट में कहा है ?कि कुल मिलाकर अनिवार्य हॉलमार्किंग सुचारू रूप से चल रही है और इसे देश के सभी जिलों में लागू करने की प्रक्रिया जारी है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के साथ पंजीकृत आभूषण कारोबारियों की संख्या अनिवार्य हॉलमार्किंग लागू होने के बाद लगभग चौगुनी हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अब तक 1.27 लाख ज्वैलर्स ने हॉलमार्क वाले आभूषण बेचने के लिए बीआईएस के साथ पंजीकरण कराया है और देश में 976 बीआईएस मान्यता प्राप्त एएचसी संचालित हैं। देश में ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर आने के बाद पांच महीनों में लगभग 4.5 करोड़ आभूषणों की हॉलमार्किंग की गई है।

कार्टून कोना

विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने के लिए चुनाव आयोग की टीम जाएगी यूपी

नई दिल्ली (ईएमएस)।उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने के लिए चुनाव आयोग की टीम मंगलवार से 3 दिन के लखनऊ दौरे पर जा रही है। 48 घंटे के अपने इस दौरे में चुनाव आयोग की टीम मैराथन बैठकें करेगी और इस दौरान हर एक मुद्दे पर निर्वाचन आयोग की टीम अधिकारियों के साथ साथ सियासी दलों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा भी करेगी। चुनाव आयोग की टीम का ये दौरा काफी अहम माना जा रहा है क्योंकि इस दौरे के बाद जब निर्वाचन आयोग की टीम दिल्ली जाएगी। उसके बाद यूपी में होने विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होगा।

निर्वाचन आयोग की 13 सदस्यीय टीम 28 दिसंबर को दोपहर तीन बजे के आसपास लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरेगी और उसके बाद बैठकों का सिलसिला शुरू होगा। शाम चार बजे सबसे पहले चुनाव आयोग राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के प्रतिनिधियों साथ बैठक करेगा। ये बैठक योजना भवन में लगभग दो घंटे तक चलेगी। इस दौरान सियासी दलों के लोग अपनी शिकायतें और सुझाव आयोग के साथ साझा करेंगें। पहले दिन चुनाव आयोग की टीम तकरीबन पांच घंटे तक अलग-अलग बैठकें करेगी। शाम 6.15 बजे से 7.30 बजे तक राज्य पुलिस नोडल अधिकारियों/केंद्रीय पुलिस फोर्स के नोडल अधिकारियों के साथ बैठक होगी फिर उसके बाद शाम 7.30 बजे से रात 9 बजे तक विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों के साथ बैठक होगी।

निर्वाचन आयोग की इस टीम में मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा के अलावा चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और अनूप चंद्र पांडेय भी शामिल रहेंगे। कुल 13 सदस्यीय ये प्रतिनिधिमंडल तीन दिनों तक चुनाव से जुड़ी हर एक चीज पर चर्चा करेगी। पहले दिन 28 दिसंबर को जहां 5 घंटे तक बैठकें होंगी तो वही अगले दिन यानी 29 दिसंबर को तो बैठकों का सिलसिला सुबह 9:30 बजे से शुरू होकर रात 9 बजे तक लगभग 12 घंटे तक चलेगा।

हरियाणा- खट्टर सरकार का होगा कैबिनेट विस्तार आज

चंडीगढ़ (ईएमएस)। हरियाणा की मनोहर लाल खट्टर सरकार का बहुप्रतीक्षित कैबिनेट विस्तार मंगलवार को होने जा रहा है। जानकारी के अनुसार मंगलवार को शाम 4 बजे नए मंत्रियों का शपथ ग्रहण समारोह किया जाना है। माना जा रहा है कि असंतुष्ट वर्गों को साधने के लिए यह फैसला लिया गया है। हरियाणा सीएमओ की ओर से कैबिनेट विस्तार के बारे में जानकारी दी गई है। फिलहाल यह पता नहीं चला है कि किन मंत्रियों खट्टर कैबिनेट में शामिल किया जाना है। हरियाणा की मनोहर लाल खट्टर सरकार का यह दूसरा कैबिनेट विस्तार है। इससे पहले इसी साल 14 नवंबर को भी कैबिनेट का विस्तार हुआ था।

2019 में हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी, लेकिन बहुमत नहीं मिल पाया था। इसके बाद उसने जननायक जनता पार्टी के साथ मिलकर गठबंधन सरकार बनाई थी। भाजपा को 90 सीटों वाली विधानसभा में अपने दम पर 40 सीटें मिली थीं, जबकि 31 सीटों के साथ कांग्रेस दूसरे नंबर पर रह गई थी। 10 सीटें जननायक जनता पार्टी को मिली थीं। इस तरह भाजपा और जेजेपी की मिलाकर विधानसभा में कुल 50 सीटें हैं।

किसान आंदोलन के बाद हरियाणा सरकार में यह कैबिनेट विस्तार होने जा रहा है। माना जा रहा है कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार इसके जरिए सामाजिक समीकरणों को साधने का प्रयास करेगी और जाट समुदाय के नेताओं को अधिक प्रतिनिधित्व दिया जा सकता है। गौरतलब है कि हरियाणा में भाजपा सरकार का यह लगातार दूसरा कार्यकाल है। इससे पहले 2014 में भाजपा को पूर्ण बहुमत मिला था और तब भी मनोहर लाल खट्टर ही सीएम थे। बता दें कि गुजरात, उत्तराखंड, कर्नाटक में भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री भी बदले जा चुके हैं। उसके बाद से ही कई अन्य राज्यों में भी बड़े फेरबदल के कयास लगते रहे हैं।

महाराष्ट्र में राज्यपाल ने नहीं दी विधानसभा स्पीकर के चयन की अनुमति, टकराव

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र में राज्य सरकार जहां शीतकालीन सत्र में विधानसभा स्पीकर का चयन करना चाहती है, वहीं राज्यपाल ने इसकी अनुमति अब तक नहीं दी है। राज्य की महाविकास आघाडी सरकार को यह उम्मीद थी कि शीतकालीन सत्र में विधानसभा स्पीकर का चयन हो जाएगा, लेकिन यह हुआ नहीं। रविवार को महाविकास आघाडी के नेताओं ने राज्यपाल से मुलाकात करके स्पीकर चुनाव करवाने की अनुमति देने का आग्रह किया। कांग्रेस इस फैसले को राजनीति से प्रेरित बता रही है।

महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा, 'बीजेपी राज्यपाल के आड़ में जो राजनीति कर रही है, यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। हम राज्यपाल से विनती करते हैं कि प्रक्रिया जल्दी शुरू की जाए। अगर वे अनुमति नहीं देते हैं तो एडवोकेट जनरल को बुलाकर आज बातचीत की गई है।' गौरतलब है कि राज्यपाल ने सोमवार शाम तक राज्य सरकार को चुनाव करवाने की अनुमति नहीं दी।सूत्रों के अनुसार राज्यपाल का कहना है कि नियमों में हुए बदलाव के कारण वे विशेषज्ञों से राय ले रहे हैं। आमतौर पर स्पीकर चुनाव से 10 दिन पहले विधायकों को सूचित करना पड़ता है। इस बार एक दिन पहले यह किया गया। इससे पहले कांग्रेस नेता नाना पटोले स्पीकर थे लेकिन महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद उन्होंने इस पद से इस्तीफा दिया और तब से यह पद खाली है

शिवसेना विधायक सुनील प्रभु कहते हैं, 'नियमों में बदलाव दिल्ली में भी हुआ है और विधान परिषद में भी हुआ है। केवल विधानसभा में नियमों के आधार पर इसे बदला गया।' दूसरी ओर, राज्य में मुख्य विपक्षी दल बीजेपी का कहना है कि सरकार खुद नियम का पालन कहीं कर रही है और दोष बीजेपी पर डाल रही है। बीजेपी विधायक राम कदम कहते हैं, 'यह स्वयं कानून तोड़ रहे हैं और खुद स्वीकार नहीं कर रहे हैं कि हमने कानून तोड़ा है। उन्हें जाकर नियम पुस्तिका पढ़नी चाहिए। जब आप कानून तोड़ते हो तो आपको कैसे अनुमति मिल सकती है? गौरतलब है कि विधानसभा के मानसून सत्र में राज्यपाल ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को पत्र लिखकर जल्द से जल्द स्पीकर चुनाव करवाने की बात कही थी, तब सीएम की ओर से राज्यपाल को पत्र लिखकर कहा गया था कि उचित समय

जन हितैषी

ओमिक्रॉन का खतरा

कोरोना के नए वैरिएंट ओमीक्रॉन को लेकर दुनिया ही नहीं, भारत में भी चिंता बढ़ गई है। साल 2020 में एक वैश्विक वायरस ने पूरे देश को झंझोड़ कर रख दिया था। इंसान से इंसान में फैलने वाले इस वायरस ने धीरे-धीरे पूरी दुनिया में पैर पसार लिए। इसके पश्चात इस वायरस को विश्व स्वस्थ्य संगठन द्वारा महामारी के रूप में घोषित किया गया। इस एक महामारी ने हमें न सिर्फ एक कमरे में कैद होकर रहने के लिए मजबूर किया, बल्कि स्वास्थ्य सम्बंधित भ्रांतियों को भी दूर किया। जब एक वायरस की वजह से पूरे विश्व में हाहाकार मच गया, सरकार की गाइडलाइन्स में तब कोविड प्रोटोकॉल जैसा शब्द शामिल किया गया। इस महामारी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए 21 मार्च 2020 को पूरे देश में जनता कर्फ्यू लगाया गया। केंद्र और राज्य सरकारों ने इस संक्रमण की कड़ी को तोडऩे के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए। वहीं कुछ महीनों बाद ही 2021 में फिर से कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने फिर से कहर बरपा दिया। अब 2021 के अंत में एक बार फिर हमें सतर्कता बरतनी पड़ रही है, जब कोरोना वायरस के एक और नए वेरिएंट 'ओमिक्रोनळ ने दुनिया में चिंता की स्थिति पैदा कर दी है। जिस तीसरी लहर की संभावना पहले सितंबर में जताई गई थी, वह अब दिसंबर माह में हमारे सामने फिर एक बड़ी चुनौती बन कर तैयार खड़ी है। कोरोना के इस बदलते स्वरूप ने एक बार फिर हम सब को सतर्क कर दिया है। इस प्रतिकूल परिस्थिति में केंद्र और राज्य सरकारें भी अपनी तैयारियों में जुट गई हैं। इस महामारी से जनता को सुरक्षित करने के लिए सरकार तत्परता से हर संभव प्रयास कर रही है। जनता में ओमिक्रॉन को लेकर जिस तरह से डर पैदा हो रहा है और घबराहट की स्थिति बन रही है, उसे दूर करने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आगे आना पड़ा और समझाना पड़ा कि सरकार की तैयारी पूरी है, किसी को डरने की जरूरत नहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार देर रात ऐलान किया कि गंभीर बीमारियों से ग्रसित और हेल्थ वर्करों को कोरोना वैक्सीन की जिस प्रिकॉशनरी डोज लगाई जाएगी। अब खबर यह है कि यह प्रिकॉशनरी डोज उस वैक्सीन से अलग हो सकती है, जिसकी दोनों डोज लाभार्थी पहले ही ले चुके हैं। दरअसल, देश के कोविड टीकाकरण पर बने शीर्ष टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप में इस बात को लेकर सहमति है कि प्रिकॉशनरी डोज उस वैक्सीन से अलग होनी चाहिए, जिसकी दोनों डोज पहले ली जा चुकी है। वैक्सीन की तीसरी खुराक को बूस्टर की बजाय प्रिकॉशनरी डोज कहे जाने के पीछे एक वजह यह भी है कि सभी विकल्प खुले रहें और तीसरी खुराक किसी और वैक्सीन की भी दी जा सके। खबर के मुताबिक, इसकी प्रबल संभावना है कि प्रिकॉशनरी डोज उस वैक्सीन से अलग हो जिसकी दोनों डोज पहले ली गई हों। अगले कुछ महीनों में भारत के पास वैक्सीन के कई विकल्प होंगे। इस दौड़ में सबसे आगे हैदराबाद के बायोलॉजिकल ई की बनाई कोरबावैक्स है, जो प्रोटीन सब-यूनिट कोविड-19 वैक्सीन है। केंद्र सरकार ने कोरबावैक्स की 30 करोड़ खुराकें रिजर्व रखने के लिए पहले ही 1500 करोड़ रुपए का भुगतान कर दिया है। सूत्रों की मानें तो अगले दो हफ्तों के अंदर कोरबावैक्स को आपात स्थिति में इस्तेमाल की मंजूरी मिल सकती है। पीएम मोदी ने शनिवार को बताया कि देश में 3 जनवरी से 15 से 18 साल तक की उम्र वाले करीब 8 करोड़ बच्चों को कोरोना वैक्सीन लगाई जाएगी। इसके अलावा 10 जनवरी से हेल्थ वर्कर्स सहित करीब 3 करोड़ फ्रंट लाइन वर्कर्स को प्रिकॉशन डोज दी जाएगी। वहीं, 60 से अधिक आयु वाले को मॉरबिटी यानी गंभीर बीमारियों से पीडित लोगों को भी उनके डॉक्टर की सलाह पर वैक्सीन की प्रिकॉशन डोज का विकल्प दिया जाएगा। इसकी शुरुआत भी 10 जनवरी से ही होगी। विशेषज्ञों ने चेताया है कि अब हमें गंभीरता से हॉस्पिटलाइजेशन की तैयारियां करनी शुरू कर देनी चाहिए। उनका यह भी कहना है कि राजनीतिक रैलियां, धार्मिक उत्सव और भीड़-भाड़ ओमिक्रॉन संक्रमण के लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं। ओमिक्रॉन वैरिएंट कितनी तेजी से फैलता है, आप इस बात का अंदाजा सिर्फ इसी से लगा सकते हैं कि मार्च 2020 में कोविड संक्रमण ने जब भारत में दस्तक दी थी, तो शुरुआती 25 दिनों में कोविड के सिर्फ 62 केस ही आए थे, लेकिन ओमिक्रॉन के इतने ही वक्त में करीब 450 केस आ चुके हैं।

कांग्रेस का आजादी व देश के विकास में योगदान अहम!

(स्थापना दिवस पर)

कांग्रेस का स्वर्णिम इतिहास देश के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास के साथ जुड़ा हुआ है। इसका गठन सन 1885 में हुआ, जिसका श्रेय एलन ऑक्टेवियन ह्यूम को जाता है। एलेन ओक्टेवियन ह्यूम का जन्म सन1829 को इंग्लैंड में हुआ था। वह अंग्रजी शासन की सबसे प्रतिष्ठित 'बंगाल सिविल सेवा' में पास होकर सन 1849 में ब्रिटिश सरकार के एक अधिकारी बने।सन 1857 की गदर के समय वह इटावा के कलक्टर थे। लेकिन ए ओ ह्यूम ने खुद ब्रटिश सरकार के खिलाफ आवाज़ उठाई और सन1882 में पद से अवकाश ले लिया और कांग्रेस यूनियन का गठन किया। उन्हीं की अगुआई में मुंबई में पार्टी की पहली बैठक हुई थी। शुरुआती वर्षों में कांग्रेस पार्टी ने ब्रिटिश सरकार के साथ मिल कर भारत की समस्याओं को दूर करने की कोशिश की और इसने प्रांतीय विधायिकाओं में हिस्सा भी लिया। लेकिन सन1905 में बंगाल के विभाजन के बाद पार्टी का रुख़ कड़ा हुआ और अंग्रेज़ी हुकूमत के ख़िलाफ़ आंदोलन शुरु हए।इसी बीच महात्मा गाँधी भारत लौटे और उन्होंने ख़िलाफ़त आंदोलन शुरु किया। शुरु में बापू ही कांग्रेस के मुख्य विचारक रहे। इसको लेकर कांग्रेस में अंदरुनी मतभेद गहराए। चित्तरंजन दास, एनी बेसेंट, मोतीलाल नेहरू जैसे नेताओं ने अलग स्वराज पार्टी बना ली।साल 1929 में ऐतिहासिक लाहौर सम्मेलन में जवाहर लाल नेहरू ने पूर्ण स्वराज का नारा दिया। पहले विश्व युद्ध के बाद पार्टी में

महात्मा गाँधी की भूमिका बढ़ी, हालाँकि वो आधिकारिक तौर पर इसके अध्यक्ष नहीं बने, लेकिन कहा जाता है कि सुभाष चंद्र बोस को कांग्रेस से निष्कासित करने में उनकी मुख्य भूमिका थी।स्वतंत्र भारत के इतिहास में कांग्रेस सबसे मज़बूत राजनीतिक ताकत के रूप में उभरी। महात्मा गाँधी की हत्या और सरदार पटेल के निधन के बाद जवाहरलाल नेहरु के करिश्माई नेतृत्व में पार्टी ने पहले संसदीय चुनावों में शानदार सफलता पाई और ये सिलसिला सन 1967 तक लगातार चलता रहा। पहले प्रधानमंत्री के तौर पर जवाहर लाल नेहरू ने धर्मनिरपेक्षता, आर्थिक समाजवाद और गुटनिरपेक्ष विदेश नीति को सरकार का मुख्य आधार बनाया जो कांग्रेस पार्टी की पहचान बनी।नेहरू की अगुआई में सन1952, सन1957 और सन1962 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने अकेले दम पर बहुमत हासिल करने में सफलता पाई। सन1964 में जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद लाल बहादुर शास्त्री के हाथों में कमान सौंप गई लेकिन उनकी भी सन 1966 में ताशकंद में रहस्यमय हालात में मौत हो गई। इसके बाद पार्टी की मुख्य कतार के नेताओं में इस बात को लेकर ज़ोरदार बहस हुई कि अध्यक्ष पद किसे सौंपा जाए। आख़िरकार पंडित नेहरु की बेटी इंदिरा गांधी के नाम पर सहमति बनी।देश की आजादी के संघर्ष से जुड़े सबसे मशहूर और जाने-माने लोग इसी कांग्रेस का हिस्सा थे।गांधी-नेहरू से लेकर सरदार पटेल और राजेंद्र प्रसाद तक आजादी की लड़ाई में आम हिंदुस्तानियों की नुमाइंदगी करने वाली पार्टी ने देश को एकता के सूत्र में बांधने की कोशिश की थी।एलेन ओक्टेवियन ह्यूम सन1857 के गदर के वक्त इटावा के कलेक्टर थे। ह्यूम ने खुद ब्रटिश सरकार के खिलाफ आवाज उठाई और 1882 में पद से अवकाश लेकर कांग्रेस यूनियन का गठन किया। उन्हीं की अगुआई में बॉम्बे में पार्टी की पहली बैठक हुई थी. व्योमेश चंद्र बनर्जी इसके पहले अध्यक्ष बने। शुरुआती वर्षों में कांग्रेस पार्टी ने ब्रिटिश सरकार के साथ मिलकर भारत की समस्याओं को दूर करने की कोशिश की और इसने प्रांतीय विधायिकाओं में हिस्सा भी लिया लेकिन 1905 में बंगाल के विभाजन के बाद पार्टी का रुख कड़ा हुआ और अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आंदोलन शुरू हुए।दादाभाई नौरोजी और बदरुद्दीन तैयबजी जैसे नेता कांग्रेस के साथ आ गए थे।आजादी के बाद सन1952 में देश के पहले चुनाव में कांग्रेस सत्ता में आई। सन1977 तक देश पर केवल कांग्रेस का शासन था।लेकिन सन 1977 में हुए चुनाव में जनता पार्टी ने कांग्रेस से सत्ता की कुर्सी छीन ली थी। हालांकि तीन साल के अंदर ही सन1980 में कांग्रेस वापस गद्दी पर काबिज हो गई।सन 1989 में कांग्रेस को फिर हार का सामना करना पड़ा।दादा भाई नौरोजी 1886 और 1893 में कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। सन1887 में बदरुद्दीन तैयबजी तो सन1888 में जॉर्ज यूल कांग्रेस के अध्यक्ष बने थे।सन1889 से सन1899 के बीच विलियम वेडरबर्न, फिरोज़शाह मेहता, आनंदचार्लू, अल्फ्रेड वेब, राष्ट्रगुरु सुरेंद्रनाथ बनर्जी, आगा खान के अनुयायी रहमतुल्लाह सयानी, स्वराज का विचार देने वाले वकील सी शंकरन नायर, बैरिस्टर आनंदमोहन बोस और सिविल अधिकारी रोमेशचंद्र दत्त कांग्रेस अध्यक्ष रहे।इसके बाद हिंदू समाज सुधारक सर एनजी चंदावरकर, कांग्रेस के संस्थापकों में शुमार दिनशॉ एडुलजी वाचा, बैरिस्टर लालमोहन घोष, सिविल अधिकारी एचजेएस कॉटन, गरम दल व नरम दल में पार्टी के टूटने के वक्त गोपाल कृष्ण गोखले, वकील रासबिहारी घोष, शिक्षाविद मदनमोहन मालवीय, बीएन दार, सुधारक राव बहादुर रघुनाथ नरसिम्हा मुधोलकर, नवाब सैयद मोहम्मद बहादुर, भूपेंद्र नाथ बोस, ब्रिटेन के हाउस ऑफ लॉर्ड्स में पहले भारतीय सदस्य बने एसपी सिन्हा, एसी मजूमदार, पहली महिला कांग्रेस अध्यक्ष एनी बेसेंट, सैयद हसन इमाम और नेहरू परिवार के मोतीलाल नेहरू सन 1900 से सन 1919 के बीच कांग्रेस अध्यक्ष रहे।सन 1915 में अफ्रीका से लौटकर भारत आए मोहनदास करमचंद गांधी का प्रभाव कांग्रेस की विचारधारा व आंदोलन तय करने में सन1920 के आसपास से साफ दिखना शुरू हो गया था।जो गांधी के जीवन के बाद तक भी बना हुआ है। सन1920 से भारत की आज़ादी अर्थात सन 1947 के बीच के युग में कांग्रेस अध्यक्ष पंजाब केसरी लाला लाजपत राय थे, जिन्होंने सन1920 के कलकत्ता अधिवेशन की अध्यक्षता की। स्वराज संविधान बनाने में अग्रणी रहे सी विजयराघवचारियार, जामिया मिल्लिया के संस्थापक हकीम अजमल खान, देशबंधु चितरंजन दास, मोहम्मद अली जौहर, शिक्षाविद मौलाना अबुल कलाम आज़ाद कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। सन1924 में बेलगाम अधिवेशन की अध्यक्षता महात्मा गांधी ने की थी और यहां से कांग्रेस के ऐतिहासिक स्वदेशी, सविनय अवज्ञा और असहयोग आंदोलनों की नींव पड़ी थी। सरोजिनी नायडू, मद्रास के एडवोकेट जनरल रहे एस श्रीनिवास अयंगर, मुख्तार अहमद अंसारी कांग्रेस अध्यक्ष रहे। गांधी के अनुयायी जवाहरलाल नेहरू सन 1929 में पहली बार कांग्रेस अध्यक्ष बने थे सरदार वल्लभभाई पटेल, नेली सेनगुप्ता, राजेंद्र प्रसाद, नेताजी सुभाषचंद्र बोस और गांधी के अनुयायी जेबी कृपलानी भारत को आज़ादी मिलने तक कांग्रेस अध्यक्ष रहे।सन1948 और सन 1949 में पट्टाभि सीतारमैया कांग्रेस के अध्यक्ष रहे और यही वह साल था जब गांधी की हत्या हो चुकी थी. महात्मा गांधी का प्रभाव आज तक भी भारतीय राजनीति पर है, लेकिन उनकी हत्या के बाद कांग्रेस का नेहरू युग शुरू हुआ। पहले प्रधानमंत्री बन चुके पंडित जवाहर लाल नेहरू के समय में जिस साल संविधान लागू हुआ ।सन 1950 में कांग्रेस के अध्यक्ष साहित्यकार पुरुषोत्तमदास टंडन थे।सन1951 से सन 1954 तक खुद नेहरू अध्यक्ष रहे। पंडित नेहरू युग में 1955 से सन19 59 तक यूएन धेबार कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। सन 1959 में पहली बार कांग्रेस अध्यक्ष इंदिरा गांधी बनी थी।सन 1960 से सन 1963 तक नीलम संजीव रेड्डी, नेहरू के निधन के सन 1964 से सन19 67 तक कामराज कांग्रेस अध्यक्ष रहे। हालांकि नेहरू का निधन 1964 में हो चुका था, लेकिन कांग्रेस का अगला इंदिरा गांधी युग लाल बहादुर शास्त्री की मौत के बाद शुरू होता है।सन 1966 में पहली बार देश की पहली और इकलौती महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी बनीं। कामराज के साथ उनका सत्ता संघर्ष काफी चर्चित रहा। इसके बाद ही इंदिरा की लीडरशिप और उनके 'आयरन लेडी' होने के ख्याति मिलने लगी। इंदिरा गांधी के प्रभाव के समय में सन 1968से सन 1969 तक निजालिंगप्पा, 1970से सन 1971 तक बाबू जगजीवन राम ,1972से सन 1874 तक शंकर दयाल शर्मा और सन 1975 से सन 1977 तक देवकांत बरुआ कांग्रेस अध्यक्ष रहे।

सन1977 से सन1978 के बीच केबी रेड्डी ने कांग्रेस को संभाला लेकिन इमरजेंसी के बाद कांग्रेस टूटी तो सन 1978 में इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस की अध्यक्ष वे स्वयं बनीं।कुछ समय को छोड़कर 1984 में अपनी हत्या के पहले तक इंदिरा ही अध्यक्ष रहीं। कांग्रेस ने करीब 15 साल का इंदिरा गांधी युग देखा और इसके बाद राजीव गांधी युग शुरू हुआ, कांग्रेस अध्यक्ष इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजीव गांधी प्रधानमंत्री भी बने और सन1985 में कांग्रेस के अध्यक्ष भी बन गए थे। जब प्रधानमंत्री व कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गांधी की हत्या हुई तब फिर कांग्रेस के सामने अध्यक्ष को लेकर संकट खड़ा हो गया था,क्योंकि शुरुआत में सोनिया गांधी ने सक्रिय राजनीति में आने में रुचि नहीं दिखाई थी।इसी कारण सन1992 से सन1996 तक पीवी नरसिम्हाराव ने कांग्रेस का नेतृत्व किया ।सन 1996 से सन 19 98 तक गांधी परिवार के वफादार सीताराम केसरी अध्यक्ष रहे।सोनिया गांधी का सक्रिय राजनीति में पदार्पण हुआ और सन1998 से सन 2017 तक करीब 20 वर्षो तक सोनिया ही कांग्रेस की अध्यक्ष रहीं।राहुल गांधी को सन 2017 में पार्टी की कमान सौंपी गई, लेकिन सन 2019 के आम चुनावों में बड़ी हार के बाद राहुल गांधी ने अध्यक्ष पद छोड़ने की पेशकश की और कहा था कि कांग्रेस अध्यक्ष गांधी परिवार के बाहर के नेता को होना चाहिए।लेकिन इसपर सहमति नही हुई। तबसे कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में सोनिया गांधी ही ने कांग्रेस का नेतृत्व कर रही है। सन1991,सन 2004, सन2009 में कांग्रेस ने दूसरी पार्टियों के साथ मिलकर केंद्र की सत्ता हासिल की।आजादी के बाद कांग्रेस कई बार विभाजित हुई। लगभग 50 नई पार्टियां इस संगठन से निकल कर बनीं। इनमें से कई निष्क्रिय हो गए तो कईयों का भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और जनता पार्टी में विलय हो गया। कांग्रेस का सबसे बड़ा विभाजन सन1967 में हुआ। जब इंदिरा गांधी ने अपनी अलग पार्टी बनाई जिसका नाम कांग्रेस (आर) रखा। सन 1971 के चुनाव के बाद चुनाव आयोग ने इसका नाम भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कर दिया।राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी का काम देखना एआईसीसी की जिम्मेदारी होती है. राष्ट्रीय अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के अलावा पार्टी के महासचिव, खजांची, पार्टी की अनुशासन समिती के सदस्य और राज्यों के प्रभारी इसके सदस्य होते हैं.हर राज्य में कांग्रेस की ईकाई है जिसका काम स्थानीय और राज्य स्तर पर पार्टी के कामकाज को देखना होता है। (लेखक - - डॉ श्रीगोपाल नारसन/ ईएमएस) (लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

शर्म आपको आती पता नहीं, लेकिन हमें 'आप' पर तो आती है...

महिलाओं के प्रति की जाने वाली अभद्र टिप्पणियों के लिए भारतीय लोकतंत्र बदनाम है। ऐसे में यूं कहें कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र का मंदिर अमर्यादित भाषा के वायरस से कलंकित हो रहा है। फ़िर यह अतिश्योक्ति नहीं। आज के दौर में हम विकसित होने का ढोंग भले रच लें, लेकिन सोच और समझ हमारी रसातल में जा पहुँची है। देश के शीर्ष पदों पर बैठे लोगों से लेकर निचले स्तर तक के लोग महिलाओं के खिलाफ बदज़ुबानी में पीछे नहीं रहते। ऐसे में सवाल कई उठते, लेकिन जब लोकराज ही बिना लोकलाज के चलने लगें। फिर उन सवालों का ज़्यादा औचित्य नहीं? भारत के संविधान में विधायिका को अनुच्छेद-109 (संसद) और अनुच्छेद-194 यानी विधानसभा के तहत विशेषाधिकार प्राप्त हैं और ये विशेषाधिकार इसलिए जरूरी हैं ताकि विधायिका नागरिकों के मुद्दे उठाने और क़ानून बनाने के दौरान हुए वार्तालाप को लेकर स्वतंत्र महसूस कर सके। लेकिन जब हम अतीत को देखते हैं फ़िर वर्ष 2003 में तमिलनाडु विधानसभा अध्यक्ष ने 'द हिन्दू' के चार पत्रकारों और एक प्रकाशक के विरुद्ध एक अरेस्ट वारंट सिर्फ इसलिए जारी कर दिया था, क्योंकि उस अख़बार में तत्कालीन मुख्यमंत्री स्वर्गीय जयललिता के खिलाफ कुछ ऐसा लिख दिया गया था जो अध्यक्ष महोदय को पसंद नहीं। लेकिन बीते दिनों जो कर्नाटक के विधानसभा में हुआ उसका क्या? सवाल ऐसे में यही बनता है। बीते दिनों जो कर्नाटक विधानसभा में हुआ। उसे दुनिया ने देखा। अब ऐसे में सवाल यही क्या हम एक ऐसे आधुनिक भारत के निर्माण की तरफ़ बढ़ रहे, जहां मानसिक रूप से अक्षम नागरिकों की फ़ौज बढ़ रही बस?

हर वर्ष 16 दिसंबर को निर्भया बलात्कार की घटना की बरसी होती है और उसके एक दिन बाद ही यानी 17 दिसंबर को कर्नाटक विधानसभा में वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर एक फूहड़ संवाद हुआ। संवाद भी ऐसा जिससे मानव जाति अपमानित हो जाएं, लेकिन सियासतदां कहाँ आते मानव जाति में? उनकी तो एक अलग श्रेणी होती है। ऐसे में कांग्रेस नेता व पूर्व विधानसभा अध्यक्ष रमेश कुमार ने एक कहावत का हवाला देते हुए व 'चेयर' को संबोधित करते हुए कहा कि, ठजब रेप होना ही है तो लेट जाओ और मजे लो।ठ यह बयान विधानसभा अध्यक्ष का जितना घिनौना था उससे कहीं अधिक घिनौनी वह सोच है जो ऐसे नेताओं को सदन में प्रतिभाग लेने का अवसर उपलब्ध कराती हैं। पर अफ़सोस की इस शर्मसार कर देने वाली घटना को भी हमारे देश के राजनेता पक्ष विपक्ष की राजनीति के तराजू पर तोल रहे है। ऐसे में शायद वो यह भूल गए हैं कि जिस संविधान ने उन्हें अभिव्यक्ति की आजादी दी है उसी लोकतंत्र के मंदिर में महिलाओं को अपशब्द कहें जा रहे है। हमारे राजनेताओं को सत्ता के सुख की ऐसी लत लगी है कि वह अपनी मर्यादा तक को ताक पर रख बैठे है। वह भूल गए है कि जिस देश में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम और राजा हरिश्चंद्र जैसे प्रतापी राजाओं ने जन्म लिया है। जिन्होंने राजधर्म के नये कीर्तिमान गढ़े हो उस देश के राजनेता सत्ता सुख में मर्यादा विहीन हो चले है। इतना ही नहीं हमारे राजनेता यह तक भूल बैठे है कि जिस संविधान ने उन्हें अभिव्यक्ति की आजादी दी है। उसी लोकतंत्र के मंदिर को कलंकित करने से वे बाज़ नहीं आ रहे है।

एक मशहूर शायर फैज अहमद फैज हुए हैं जिनका लिखा एक गीत है। जिनकी चंद लाइनें याद आती है कि, ठबोल के लव आज़ाद है तेरे...!ठ वैसे उन्होंने जब ये लाइनें लिखी होगी तब शायद ही यह सोचा हो कि एक दिन अभिव्यक्ति की आज़ादी का निहितार्थ सियासतदानों द्वारा इस संदर्भ में निकाला जाएगा। वैसे सोचने वाली बात यह है कि हमारे देश में जब-जब राजनेताओं के सुर बिगड़े है तब-तब ही महिलाओं के चरित्र का चीरहरण किया गया है। महिलाओं के दामन पर उंगली उठाना तो जैसे अब राजधर्म बन गया है। कुर्सी का खेल मुग़लई दौर का होता जा रहा है। अंतर सिर्फ इतना है कि तब तलवार का बोलबाला था आज संवैधानिक लोकतंत्र में अलोकतांत्रिक बदज़ुबानी का। जिस संसद में एक तम्फ महिलाओं को बराबरी का हक दिलाने के लिए उनकी शादी की उम्र को 18 साल से बढ़कर 21 साल किए जाने का विधेयक लाया जा रहा। वहीं दूसरी तरफ़ कर्नाटक के विधानसभा में एक विधायक महिलाओं के रेप को एंजॉय करने की बात कह रहे है। इतना ही नहीं अफ़सोस की ये सारी बाते विधायक महोदय विधानसभा में किसान मुद्दे पर चर्चा की मांग पर बहस करने की बात को लेकर कह रहे थे। देश का दुर्भाग्य देखिए कि इस शर्मनाक टिप्पणी पर विधानसभा में उपस्थित अन्य विधायक भी ठहाके लगाने से बाज नहीं आएं। विधानसभा अध्यक्ष भी ऐसे इन बातों का चटकारा ले रहे थे, जैसे वो भूल गए हो कि उन्हें विशेषाधिकार प्राप्त हैं, लेकिन आधी आबादी के प्रति ऐसी घिनौनी सोच भी कहीं न कहीं विशेषाधिकार पर सवालिया निशान उठाती है, लेकिन इन बातों का फ़र्क कहाँ पड़ता इन नेताओं को? ज़्यादा हुआ तो मांग लेंगे माफ़ी और हो जाएगी खानापूर्ति। वैसे महाभारत काल में भी द्रौपदी के चीरहरण पर पूरी सभा धृतराष्ट्र बनकर तमाशा देखती रही और उसी इतिहास को एक बार फिर दोहराने की कोशिश कर्नाटक के विधानसभा में की गई और आज फिर पूरा देश इस घटना को अपना मौन समर्थन दे रहा है। दे भी कैसे नहीं क्योंकि यह पहली दफ़ा नहीं जब किसी पार्टी के नेता ने महिलाओं के ख़िलाफ़ अनर्गल बयानबाजी की हो। हमारे राजनेता तो जैसे महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी करने में महारथ हासिल करके बैठे हो। उन्हें कहाँ फर्क पढ़ने वाला है? उनकी रगों में तो पितृसत्तात्मक सोच का वायरस भर गया है। वैसे भी औरत के अस्तित्व को हमारा समाज स्वीकार ही कहाँ करता है? औरत के पैदा होते ही उसके अस्तित्व का ठेका उसके पिता के हाथों में होता है, शादी के बाद पति और मां बनने के बाद खुद ही अपने बच्चों के हाथ मे सौंप देती है। औरत खुद क्या करती है? त्याग अपने सपनों का अपने अस्तित्व का? लेकिन अफ़सोस की इस त्याग, इस बलिदान का कोई सम्मान तक नहीं करता है, क्योंकि समाज औरत के त्याग को उसका फर्ज मान लेता है और वहीं औरत उसे अपना कर्म मानकर चुपचाप सहन करती चली जाती है। अपने वजूद तक को मिटा देती है। औरत के त्याग को समाज ने उसकी कमज़ोरी जो मान लिया है।

वैसे यह पहली बार नही है जब कर्नाटक के विधायक रमेश कुमार ने महिलाओं ख़िलाफ़ अमर्यादित बयान दिए है। इससे पहले 2019 में विधानसभा अध्यक्ष के कार्यकाल के समय वह अपनी तुलना रेप पीड़िता से कर चुके है। उनके लिए यह कोई बड़ी बात नहीं है क्योंकि ज़ुबान फिसलना कोई बड़ी बात नहीं है। क्या हुआ जो महिलाओं के लिए अभद्र बोल दिया बाद में माफ़ी भी मांग लेते है। कौन सा उनके ख़िलाफ़ कार्रवाई होना है। कुछ दिन हंगामा होगा फिर सब खामोश हो जाएंगे और यह सिलसिला जारी रहेगा। वैसे उत्तरप्रदेश में कांग्रेस पार्टी महिलाओं को चुनाव लड़ने के लिए 40 प्रतिशत आरक्षण की बात कह रही है, और उन्ही की पार्टी के नेता महिलाओं के लिए अपमानजनक बात कह रहे है, कितनी अजीब विडंबना है हमारे देश की। जहां रमेश कुमार के बयान का विवाद थमा भी नहीं था कि समाजवादी पार्टी के सांसद एसटी हसन ने भी लड़कियों को लेकर अनर्गल बात कर दी है। उनका मानना है कि लड़कियों की शादी की उम्र को कम कर देना चाहिए, शादी में देर होगी तो वह पोनोग्राफी वाले वीडियो देखेगी। समाजवादी पार्टी के ही सांसद शफीक उर रहमान वर्क ने भी महिलाओ के उम्र बढ़ाने का विरोध किया है उनका मानना है कि अगर ऐसा होगा तो लड़कियां आवारा हो जाएगी। प्रख्यात समाजवादी नेता डॉ राममनोहर लोहिया ने कहा था कि ठलोकराज, लोकलाज से ही चलता हैठ। आज ऐसे प्रखर समाजवादी नेता के विचारों को उन्हीं की पार्टी के नेता डुबाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे है।

महिलाएं आधी आबादी का प्रतिनिधित्व कर रही है। देश दुनिया में अपनी बुलंदी का परचम लहरा रही है। ऐसा कोई क्षेत्र नहीं जहां महिलाओं ने अपनी कामयाबी के झंडे न गाड़े हो। पर आज भी हमारा समाज पितृसत्तात्मक सोच से ग्रसित है। जहां औरतों को कमज़ोर माना जाता है। इंटरनेशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन की रिपोर्ट की माने तो महिलाएं पुरुषों से ज्यादा काम करती है, फिर कैसे उन्हें कमज़ोर कहा जा सकता है। हमारा समाज सदियों से महिलाओं के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार करता आया है। यहां तक कि हमारे इतिहास को भी अपने मतलब के लिए गलत तरीके से परिभाषित किया गया। यही वजह है कि जब किसी लड़की का बलात्कार होता है तो उसे उसके खानदान की इज्जत से जोड़ दिया जाता है। रेप होने से महिला की इज़्ज़त चली जाने की बात कही जाती है, जबकि जो लड़का बलात्कार करता है उसे हमारा ही समाज पुरुषत्व मान कर महिमा मण्डन करता है। लड़की को ही गलत ठहरा दिया जाता है। कभी उसके कपड़े पर सवाल उठाया जाता है तो कभी उसके चरित्र पर। जब तक समाज का यह दोहरा रवैया नहीं बदल जाता तब तक महिलाओं की स्थिति नहीं सुधर सकती। ऐसे में अब महिलाओं को एकजुटता दिखानी होगी। उन्हें पार्टी से ऊपर उठकर एकजुट होना होगा। सरकार से मांग करनी होगी महिलाओं के ख़िलाफ़ अभद्र बयानबाजी पर कड़ी सजा का प्रावधान बनाया जाए। महिलाओं को ख़ुद इसका विरोध करना होगा। चाहे सार्वजनिक मंच हो या फिर घर की चारदीवारी, महिलाओं को विरोध के लिए मुखर होना होगा। तभी समाज में महिलाओं की स्थिति बेहतर हो सकेगी। (लेखिका- सोनम लववंशी / ईएमएस)

आज का इतिहास 28 दिसंबर

1688 औरंगजेब ने शिवाजी के पुत्र संभाजी को पकड़कर बाद में मौत के घाट उतार दिया.

1883 बंगाल के राजनीतिक दलों का सम्मेलन सुरेन्द्रनाथ बनर्जी की अध्यक्षता में हुआ.

1885 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का पहला अधिवेशन मुंबई में हुआ.

1921 वेल्स के राजकुमार ने कलकत्ता में विक्टोरिया मेमोरियल हॉल का उद्घाटन किया.

1938 इराक ने फ्रांस से संबंध तोड़ लिए.

1948 मिस्त्र के प्रधानमंत्री एन.पाशा की हत्या कर दी गई.

1966 चीन ने परमाणु बम का पांचवाँ परीक्षण किया.

1968 इजरायली कमांडो ने बेरूत हवाई अड्डे पर हमला कर अरब देशों के 13 विमान तबाह कर दिए.

1970 स्पेन में सैनिक अदालत ने बास्क के छह छापामारों को मौत की सजा सुनाई.

1972 बैंकॉक स्थित इजरायली दूतावास में छह व्यक्तियों को अरब छापामारों ने बंधक बना लिया.

1974 मानागुवा (निकारागुवा) में वामपंथी छापामारों ने बड़े दिन की पार्टी में तीन सुरक्षाकर्मियों की हत्या के बाद अनेक लोगों को बंधक बना लिया.

1980 जापान में एक खाली यात्री गाड़ी के नदी में गिरने से छह लोग मारे गए.

1989 दक्षिण पूर्व आस्ट्रेलिया में भूकंप से 11 व्यक्ति मारे गए और कई अन्य घायल हो गए.

1992 अयोध्या के विवादित परिसर में रामलला की मूर्तियों के दर्शन और पूजा की अनुमति दी गई.

1995 भारतीय उपग्रह आई.आर.एस 1 सी का कजाकिस्तान में सफल परीक्षण.

शब्द पहेली - 7150

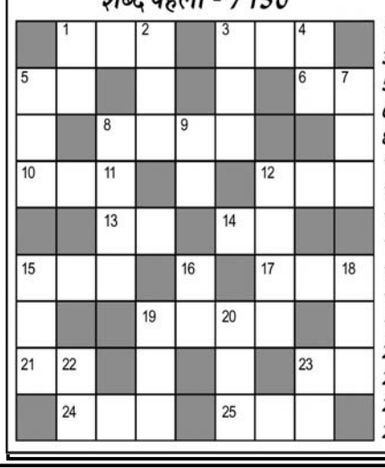

बाएँ से दाएँ

1.लाचार,बेबस-3
3.प्राण,जान-3
5.दुर्ग,फोर्ट-2
6.सद्पुरुष-2
8.कवायद-4
10.प्रतिघात,मुआवजा-3
12.कंठ,गला-3
13.लकड़ी-2
14.प्रथम मानव-2
15.धोखेबाज,कपटी-3
17.माजरा,घटना-3
19.कहासुनी,झंझट -4
21.संबोधन-2
23.चावल-2
24.रगड़ना,लगाना-3
25.वादा,प्रतिज्ञा -3

ऊपर से नीचे

1.लता,लतिका-2
2.चावल (अंग्रेजी-3)
3.हूर,अप्सरा-3
4.आकाश,व्योम-2
5.शायरी करनेवाला-3
7.योग्य,उपयुक्त-3
8.अदाकार,फनकार-4
9.घोड़ागाड़ी-2
12.बजरंगबली-4
15.माह,मास-3
16.जांघ,जंघा-2
18.धिक्कार,फटकार-3
19.मामूली,तुच्छ-3
20.बहने का भाव-3
22.संस्कृत में 'मेरा'-2
23.होश,आभास-2

शब्द पहेली -7149 का हल

आ	ह		प	र	दा		क	म
ग		क	ना	त		र	च	ना
	क	ल	ह		ग	ह	ग	
श	र	म		ह	र	म		स
री	म		आ	रा	म		क	म
फ		शी	स	म		न	ह	र
	क	त	रा		अ	म	र	
बा	द	ल		रा	ज	न		त
ज	र		ज	ह	र		द	वा

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

बारिश के कारण नहीं हो पाया भारत-दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे दिन का खेल

सेंचुरियन (ईएमएस)। बारिश के कारण भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल नहीं हो पाया। रात से हो रही बारिश के कारण सुबह मैदान गीला था जिसके बाद अंपायरों ने इसका निरीक्षण कर दूसरे दिन का खेल रद्द कर दिया। इस मैच के पहले दिन भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 3 विकेट पर 272 रन बनाए थे। लोकेश राहुल नाबाद 122 जबकि अ

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बीएसई सेंसेक्स बढ़त के साथ बंद हुआ। दिग्गज कंपनियों आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी लि., एचडीएफसी बैंक और टेक महिंद्रा के शेयरों में बढ़त के साथ ही बाजार ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स कारोबार के दौरान दिन के निचले स्तर से 960 अंक उबरकर अंत में 295.93 अंक करीब 0.52 फीसदी की बढ़त के साथ ही 57,420.24 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 82.50 अंक तकरीबन 0.49 फीसदी बढ़कर 17,086.25 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में सबसे ज्यादा तीन फीसदी से अधिक की तेजी टेक महिंद्रा के शेयरों में रही। इसके अलावा डा. रेड्डीज, पावरग्रिड, कोटक बैंक, सन फार्मा, आईसीआईसीआई बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर भी ऊपर आये हैं।

वहीं दूसरी ओर इंडसइंड बैंक, एशियन पेंट्स, मारुति और भारती एयरटेल के शेयर गिर हैं। बाजार जानकारों के अनुसार सुबह दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेत मिले थे जिससे भारतीय बाजार भी गिरावट पर था। इसके अलावा ओमीक्रोन से भी निवेशक संशय में होने के कारण दबाव में रहे हालांकि समय बीतने के साथ ही स्वास्थ्य, औद्योगिक और पूंजीगत सामान कंपनियों के शेयरों में उछाल से बाजार ऊपर आने लगा और यह सिलसिला अंत तक कायम रहा।

सोना महंगा हुआ और चांदी में आई गिरावट

मुंबई (ईएमएस)। वै?श्विक बाजार में सोना और चांदी की कीमत में लगातार बदलाव देखने को मिल रहे हैं। 27 दिसंबर सोमवार को सोने की कीमत में तेजी का माहौल बना हुआ है। जबकि चांदी की कीमत में गिरावट देखने को मिल रही है। विदेशी बाजारों में सोना और चांदी का बाजार क्रिस्मस की छुट्टियों के बाद खुला है तो स्पॉट गोल्ड और वायदा बाजार में गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं चांदी में भी गिरावट का माहौल बना हुआ है। जानकारों की मानें तो बाजार भले ही खुले हों, लेकिन निवेशक फेस्टिव मोड में है। क्रिस्मस के बाद न्यू ईयर का माहौल बना हुआ है। जिसकी वजह से कीमती धातुओं में गिरावट का माहौल बना हुआ है। भारत के वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी इंडेक्स पर सोने की कीमत में तेजी देखने को मिल रही है। सोना 109 रुपए प्रति दस ग्राम की तेजी के साथ 48228 रुपए प्रति दस ग्राम पर कारोबार कर रहा है। सोना 48119 रुपए प्रति दस ग्राम पर खुला था और एक घंटे के कारोबार में सोना 48248 रुपए प्रति दस ग्राम के साथ दिन के उच्च स्तर पर भी आया। गौरतलब है ?कि शुक्रवार को सोना 48119 रुपए प्रति दस ग्राम के साथ बंद हुआ था। वहीं दूसरी ओर मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी में गिरावट देखने को मिल रही है। सुबह चांदी 200 रुपए प्रति किलोग्राम की गिरावट के साथ 62,097 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी। वहीं शुक्रवार को चांदी 62,298 रुपए प्रति किलोग्राम के साथ पर बंद हुई थी। न्यूयॉर्क के कॉमेक्स बाजार में सोने की कीमत 1.7व0 डॉलर प्रति ओंस की गिरावट के साथ 1810 डॉलर प्रति ओंस पर कारोबार कर रहा है। जबकि स्पॉट गोल्ड 8.48 डॉलर प्रति ओंस की गिरावट के साथ 1808.45 डॉलर प्रति ओंस पर कारोबार कर रहा है। कॉमेक्स पर चांदी के दाम में 0.63 फीसदी की गिरावट देखने को मिल रही है, जिसके बाद दाम 22.80 डॉलर प्रति ओंस पर कारोबार कर रही है। जबकि सिल्वर स्पॉट के प्राइस में 1.10 फीसदी की गिरावट है और दाम 22.77 डॉलर प्रति ओंस हो गए हैं।

नए साल में कर सकेंगे 1,122 रुपए में हवाई सफर

नई दिल्ली (ईएमएस)। ??विमानन कंपनी स्पाइसजेट की वीओवी ?विंटर सेल सोमवार 27 दिसंबर से शुरू हो चुकी है जो 31 दिसंबर तक चलेगी। इसके तहत यात्रियों को केवल 1,122 रुपए में घरेलू हवाई यात्रा का मौका मिल रहा है। यह ऑफर 15 जनवरी से 15 अप्रैल तक की यात्रा के लिए है। कंपनी के मुताबिक यह सेल ऑफर यात्रा की तिथि से कम से कम 15 दिन पहले की गई बुकिंग के लिए वैलिड है। अगर आप अपने यात्रा की योजना बनाते हैं तो सेल फेयर बुकिंग्स पर एक बार मुफ्त में तारीख बदलवा सकते हैं लेकिन इसके लिए कम से कम दो दिन पहले प्र?क्रिया करनी होगी। स्पाइसजेट साथ ही अगली यात्रा पर 500 रुपए का फ्री फ्लाइट वाउचर भी दे रही है। इसे 15 से 31 जनवरी की अवधि के दौरान भुनाया जा सकता है। यह 30 सितंबर, 2022 तक की यात्रा अवधि के लिए वैध है, लेकिन इसका लाभ लेने के लिए डिपार्चर डेट से कम से कम 15 दिन पहले बुकिंग करनी होगी।

आरबीएल बैंक के शेयरों में बड़ी गिरावट, निवेशकों के डूबे करोड़ों

मुंबई (ईएमएस)। ?निजी क्षेत्र के आरबीएल बैंक के शेयरों में सोमवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई। बीएसई पर आरबीएल बैंक का शेयर 20 फीसदी गिरकर 52 हफ्ते के निचले स्तर 138 रुपए के भाव पर आ गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने योगेश के दयाल को आरबीएल बैंक के बोर्ड में एडिशनल डायरेक्टर नियुक्त किया है। इस खबर से सोमवार को बैंक को शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई। शेयर में गिरावट से निवेशकों को 2,100 करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ। शुक्रवार को बंद भाव पर आरबीएल बैंक का मार्केट कैप 10,340.23 करोड़ रुपए था, जो सोमवार को 2166.94 करोड़ रुपए घटकर 8,173.29 करोड़ रुपए हो गया। विश्ववीर आहूजा ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद छोड़ने की घोषणा कर दी। उसके बाद बैंक के निदेशक मंडल ने राजीव को अंतरिम तौर पर यह जिम्मेदारी सौंपी है। राजीव ने अपनी नियुक्ति पर कहा कि निदेशक मंडल ने विश्ववीर के छुट्टी पर जाने के बाद उन्हें इस जिम्मेदारी के लिए चुना है और इसे आरबीआई की तरफ से नियुक्त एडिशनल डायरेक्टर का भी समर्थन हासिल है। राजीव ने कहा कि आरबीएल बैंक और उसकी रणनीति को केंद्रीय बैंक का पूरा समर्थन हासिल है। इस घटनाक्रम का बैंक की एसेट क्वालिटी से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि बैंक दिसंबर तिमाही में बैंक का मुनाफा सितंबर तिमाही से भी अधिक रहेगा। बैंक के पास 15,000 करोड़ रुपए की अधिक तरलता है और वह ग्राहकों तक पहुंचने के लिए कदम उठा रहा है। उन्होंने कहा कि बैंक मार्च 2022 तक अपने शुद्ध एनपीए को दो प्रतिशत के नीचे लेकर आएगा।

पीएफ अकाउंट ट्रांसफर करना आसान

नई दिल्ली (ईएमएस)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने कर्मचारियों की सुविधा के लिए अकाउंट ट्रांसफर आसान बना दिया है। अब किसी भी कर्मचारी को अपना अकाउंट ट्रांसफर कराने के लिए पुराने संस्थान का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। वे घर बैठे ऑनलाइन अपने अकाउंट को ट्रांसफर कर सकते हैं। अगर आप अपना पीएफ अकाउंट ऑनलाइन ट्रांसफर करने जा रहे हैं, तो पहले आप चेक कर लीजिए कि आपका अकाउंट आधार से लिंक है या नहीं। अकाउंट ट्रांसफर करने के लिए आपका पीएफ अकाउंट आधार से लिंक होना चाहिए। साथ ही मोबाइल नंबर और अन्य जरूरी जानकारी कर्मचारी भविष्य निधि संगठन में अपडेट होनी चाहिए। इसके बाद आप घर बैठे ही आपना पीएम अकाउंट आसानी से ट्रांसफर कर सकेंगे।

1 जनवरी से महंगा होगा कपड़े और फुटवियर खरीदना

मुंबई (ईएमएस)। नए साल में एक जनवरी, 2022 से वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) नियमों में कई बदलाव हो रहे हैं। इनमें ई-कॉमर्स सेवा प्रदाताओं पर परिवहन एवं रेस्तरां क्षेत्र में दी जाने वाली सेवाओं पर कर देनदारी भी शामिल है। इसके अलावा फुटवियर और कपड़ा क्षेत्र में शुल्क ढांचे में बदलाव भी एक जनवरी 2022 से लागू होगा जिसके तहत सभी प्रकार के फुटवियर पर 12 फीसदी जीएसटी (माल एवं सेवा कर) लगेगा जबकि रेडीमेड कपड़ों समेत सभी टेक्साइटल उत्पादों (कपास को छोड़कर) पर 12 फीसदी जीएसटी लगेगा। ऑटो रिक्शा चालकों को ऑफलाइन तरीके से दी जाने वाली यात्री परिवहन सेवाओं पर छूट मिलती रहेगी लेकिन जब ये सेवाएं किसी ई-कॉमर्स मंच से दी जाएंगी तो इन पर नए साल से 5 फीसदी की दर से कर लगेगा। प्रक्रियागत बदलावों के तहत, स्विगी और जोमेटो जैसे ई-वाणिज्य सेवा प्रदाताओं का यह उत्तरदायित्व होगा कि उनके द्वारा दी जाने वाली रेस्तरां सेवाओं के बदले वे जीएसटी एकत्रित करें और उसे सरकार के पास जमा करवाएं। ऐसी सेवाओं के बदले उन्हें बिल भी जारी करने होंगे। इससे ग्राहकों पर कोई अतिरिक्त भार नहीं आएगा क्योंकि रेस्तरां पहले से ही जीएसटी राजस्व एकत्रित कर रहे हैं। बदलाव सिर्फ इतना हुआ है कि कर जमा करवाना और बिल जारी करने की जिम्मेदारी अब खाद्य पदार्थ आपूर्ति करने वाले मंचों पर आ गई है। यह कदम इसलिए उठाया गया क्योंकि सरकार का ऐसा अनुमान है कि खाद्य आपूर्ति मंचों द्वारा कथित तौर पर पूरी जानकारी नहीं देने से बीते दो वर्ष में सरकारी खजाने को करीब 2,000 रुपए का नुकसान उठाना पड़ा है और इन मंचों को जीएसटी जमा करवाने के लिए उत्तरदायी बनाने से कर चोरी पर रोक लगेगी। कर चोरी रोकने के लिए नए साल में कुछ और कदम उठाए जाएंगे। इनमें जीएसटी रिफंड पाने के लिए आधार सत्यापन अनिवार्य करना, जिन व्यवसायों ने कर अदा नहीं किए हैं उनकी जीएसटीआर-1 फाइलिंग सुविधा पर रोक लगाना आदि शामिल है।

नए साल में बैंकिंग क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार का एजेंडा प्रमुख होगा: ?वित्त मंत्री

नई दिल्ली (ईएमएस)। नए साल 2022 में सरकार के एजेंडे में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण और आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश के साथ ही बैंकिंग क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार का एजेंडा प्रमुख होगा। जानकारों का कहना है कि कोरोना के नए स्वरूप ओमीक्रोन के फैलने पर थोड़ी रुकावट आ सकती है। हालां?कि महामारी की दूसरी लहर के प्रकोप के बावजूद बैंकिंग क्षेत्र ने गुजर रहे साल 2021 में काफी अच्छा प्रदर्शन किया। सरकार की बहुआयामी रणनीति स्वीकरोक्ति, संकल्प, पुनर्पूंजीकरण और सुधार की मदद से बैंकिंग क्षेत्र का फंसा हुआ कर्ज (एनपीए) 31 मार्च 2021 तक घटकर 8,35,051 करोड़ रुपए रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की जुलाई 2021 में जारी वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (एफएसआर) के अनुसार अधिसूचित वाणिज्यिक बैंकों का सकल एनपीए अनुपात मार्च 2021 के 7.48 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2022 में 9.80 प्रतिशत हो सकता है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) का शुद्ध लाभ पहली तिमाही में बढ़कर 14,012 करोड़ रुपए हो गया और सितंबर 2021 को समाप्त दूसरी तिमाही में यह आंकड़ा बढ़कर 17,132 करोड़ रुपए हो गया। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में इन बैंकों का कुल लाभ 31,114 करोड़ रुपए पिछले वित्त वर्ष 2020-21 में अर्जित कुल लाभ 31,820 करोड़ रुपए के करीब है।

इसी तरह निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक सहित अन्य बैंकों ने भी फंसे कर्ज में कमी के साथ अच्छा मुनाफा कमाया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2021-22 के बजट में सार्वजनिक उपक्रम नीति (पीएसई) जारी करते हुए कहा था कि चार रणनीतिक क्षेत्रों को छोड़कर अन्य क्षेत्रों में सार्वजनिक उपक्रमों का विनिवेश किया जाएगा। पीएसई नीति के तहत वित्त मंत्री ने बजट में दो सरकारी बैंकों के निजीकरण की भी घोषणा की थी। बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक को आगामी बजट सत्र में पेश किया जा सकता है, जिससे पीएसबी में न्यूनतम सरकारी हिस्सेदारी 51 प्रतिशत से घटाकर 26 प्रतिशत करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

27 शरणार्थियों के शव पश्चिमी लीबिया के तट पर मिलने से हड़कंप

लीबीया (ईएमएस)। बेहतर जीवन की तलाश में यूरोप जा रहे कम से कम 27 शरणार्थियों के शव पश्चिमी लीबिया के तट पर मिले है।लीबिया की रेड क्रिसेंट ने इसकी पुष्टि कर बताया है कि इनकी मौत नाव पलटने से हुई है।यूरोप जाने वाला यह रास्ता अवैध प्रवासियों के जाने के लिए सबसे खतरनाक रास्ता माना जाता है,यहां अक्सर प्रवासियों के डूबने की खबरें आती रहती हैं।लेकिन फिर भी तमाम शरणार्थियों की एक अच्छी जिंदगी बिताने की ख्वाहिश इन जोखिमों पर भारी पड़ती है।

रेड क्रिसेंट की शाखा ने बताया कि राजधानी त्रिपोली से करीब 90 किलोमीटर दूर, तटीय शहर खोम्स में ये शव मिले हैं। सभी शव दो अलग-अलग स्थानों पर शनिवार की देर रात पाए गए थे। इन शवों में एक बच्चा और दो महिलाएं भी शामिल हैं।रेड क्रिसेंट की तरफ से जानकारी दी गई कि तीन अन्य शरणार्थियों को बचा लिया गया है और बाकियों की तलाश की जा रही है।शव जिस सड़ी हुई स्थिति में मिले हैं, उनसे संकेत मिलता है कि जहाज कई दिन पहले डूबा है।सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। लीबिया के मीडिया संस्थानों द्वारा प्रकाशित तस्वीरों में दिखाया गया है कि लाशों को किनारे पर लिटाया गया है और फिर उन्हें बॉडी बैग में रखा जा रहा है।त्रासदी की ये भयावह तस्वीरें किसी को भी विचलित करने के लिए काफी हैं।

संयुक्त राष्ट्र प्रवासन एजेंसी के अनुसार, इस साल मध्य भूमध्यसागरीय मार्ग में कई नाव दुर्घटनाओं और जहाजों के डूबने से लगभग 1,500 शरणार्थियों की मौत हो गई है। उत्तर की ओर बढ़ने से पहले शरणार्थी अक्सर लीबिया में भीड़भाड़ वाले और समुद्र में न जाने योग्य जहाजों पर भीषण परिस्थितियों का सामना करते हैं।

सीरिया से कब्जाए इलाके में यहूदियों को बसाने के लिए इजरायल ने दिया भारी बजट

-इजरायल ने सन् 1967 में मध्यपूर्व युद्ध के दौरान गोलन हाइट्स पर किया था कब्जा

तेल अवीव (ईएमएस)। सीरिया से कब्जाए इलाके में यहूदियों को बसाने के लिए इजरायल ने भारी बजट आवंटित किया है। इजरायल की सरकार ने रविवार को गोलन हाइट्स यानी गोलन पहाड़ियों पर यहूदी निवासियों की आबादी दोगुना करने की योजना के तहत 317 मिलियन डॉलर यानी करीब 31.7 करोड़ डॉलर की राशि को मंजूरी दे दी। चालीस साल पहले इजरायल ने भीषण युद्ध के बाद गोलन हाइट्स को सीरिया से छीनकर अपने कब्जे में किया था। आज भी दोनों देशों के बीच इस इलाके को लेकर विवाद है।

इजरायली प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट की कैबिनेट ने अगले पांच सालों के अंदर इस क्षेत्र में 7300 घर बनाने की योजना के पक्ष में मतदान किया। यह फैसला गोलन के मेवो हामा कम्युनिटी में हुई बैठक के दौरान लिया गया। बैठक के दौरान इस क्षेत्र में करीब 23 हजार नए यहूदियों को बसने के लिए आकर्षित करने के इरादे से आवास, बुनियादी ढांचे और अन्य परियोजनाओं पर करीब 1 अरब इजरायली शेकेल खर्च करने का आह्वान किया गया। इजरायल ने इस इलाके को 1967 में छह दिनों तक चले युद्ध के बाद हासिल किया था।

दक्षिणपंथी नेता बेनेट ने मीटिंग से पहले कहा, 'हमारा लक्ष्य गोलन हाइट्स की आबादी को दोगुना करना है।' बेनेट ने कहा कि ट्रंप प्रशासन की तरफ से इजरायली संप्रभुता को मान्यता देने और बाइडेन प्रशासन की ओर से इस फैसले को वापस न लेने के संकेत से गोलन क्षेत्र में नए निवेश को बढ़ावा मिला है।

इजरायल ने सन् 1967 में मध्यपूर्व युद्ध के दौरान गोलन हाइट्स पर कब्जा किया था। इसके बाद से यहां यहूदियों को बसाना, कृषि और टूरिजम को बढ़ावा दिए जाने की कोशिश जारी है। अमेरिका पहला देश है जिसने गोलन को इजरायल के हिस्से के रूप में मान्यता दी, जबकि पूरी दुनिया अभी भी इसे इजरायल अधिकृत क्षेत्र कहती है।

गोलन हाइट्स की चोटी से दक्षिणी सीरिया और सीरिया की राजधानी दमिश्क साफ नजर आते हैं। ये दोनों इलाके यहां से करीब 60 किलोमीटर ही दूर है। गोलन हाइट्स से इसराइल को ये फायदा मिलता है कि वो यहां से सीरिया की गतिविधियों पर बराबर नजर रख सकता है। गोलन में होने वाली बारिश का पानी जॉर्डन की नदी में जाकर मिल जाता है। ये इसराइल की एक तिहाई पानी की जरूरत पूरा करता है। गोलान की जमीन उपजाऊ है, जहां अंगूर और मेवों के बगीचे लगाए जाते हैं। गोलान इसराइल का इकलौता स्की रिजॉर्ट भी है।

तालिबान का नया फरमान, महिलाओं के अकेले यात्रा करने पर लगाई पाबंदी

-इससे पहले भी तालिबान सरकार ऐसे कई आदेश जारी कर महिला अधिकारों की कटौती की

काबुल (ईएमएस)। अफगानिस्तान में काबिज तालिबान सरकार ने महिलाओं पर नई पाबंदियां लगाना शुरू कर दिया हैं। अब वे अकेले लंबी दूरी की यात्रा नहीं कर सकतीं। टैक्सी वालों से कहा गया है कि अकेली महिलाओं को गाड़ी में ना बिठाएं। अफगानिस्तान में तालिबान सरकार ने महिलाओं को बिना पुरुषों के लंबी यात्रा करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। रविवार को जारी एक आदेश में कहा गया है कि जो महिलाएं लंबी दूरी की यात्रा करना चाहती हैं उनके साथ कोई नजदीकी पुरुष रिश्तेदार होना जरूरी है। अफगानिस्तान के नैतिकता प्रसार व व्यसन रोकथाम मंत्रालय ने नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इनके मुताबिक महिलाओं को अकेले लंबी यात्राएं नहीं करनी चाहिए। मंत्रालय ने वाहनों के मालिकों से भी कहा है कि जिन महिलाओं ने सिर ना ढक रखा हो, उन्हें सवारी ना करने करने दें। 72 किलोमीटर से दूर नहीं जाना मंत्रालय के प्रवक्ता सादिक अकीफ मुहाजिर ने कहा, '72 किलोमीटर से ज्यादा लंबी यात्रा करने वाली महिलाओं को सवारी नहीं मिलनी चाहिए, अगर उनके साथ कोई करीबी रिश्तेदार नहीं है।'

मुहाजिर ने स्पष्ट किया कि यह करीबी रिश्तेदार पुरुष होना चाहिए। नए दिशा-निर्देश सोशल मीडिया पर साझा किए जा रहे हैं। इनमें लोगों से गाड़ी में संगीत ना बजाने को भी कहा गया है। कुछ ही हफ्ते पहले मंत्रालय ने देश के टीवी चैनलों से कहा था कि वे ऐसे कार्यक्रम ना दिखाएं जिनमें महिला कलाकारों को दिखाया जाता है। साथ ही, महिला पत्रकारों से टीवी पर कार्यक्रम पेश करते हुए सिर ढकने को कहा गया था। रविवार को मुहाजिर ने कहा कि यात्रा करने के लिए महिलाओं को हिजाब पहनना अनिवार्य होगा। हालांकि हिजाब अलग-अलग तरह के हो सकते हैं और अधिकतर अफगान महिलाएं हिजाब पहनती हैं। लेकिन तालिबान ने हिजाब के लिए कोई स्पष्ट निर्देश जारी नहीं किए हैं। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने इन निर्देशों की आलोचना की है।

इससे पहले भी तालिबान सरकार ऐसे कई आदेश जारी कर चुकी है जिनमें महिला अधिकारों की कटौती की गई है। बड़ी संख्या में महिलाओं को सरकारी नौकरी करने से रोका जा चुका है। 15 अगस्त को लोकतांत्रिक सरकार को अपदस्थ कर सत्ता पर कब्जा करने वाले तालिबान ने कहा था कि अब वे बदल चुके हैं और महिलाओं व देश के अन्य कमजोर तबकों का शोषण नहीं होने दिया जाएगा। तालिबान के सत्ता में आने पर दुनियाभर के मानवाधिकार संगठनों ने महिलाओं की स्थिति बदतर होने का डर जताया था। नए निर्देशों की आलोचना करते हुए मानवाधिकार संगठन ह्यूमन राइट्स वॉच की सह-निदेशक (महिला अधिकार) ने कहा, यह नया आदेश महिलाओं को कैद करने की दिशा में एक और कदम है। यह उनके लिए स्वतंत्र रूप से आने-जाने, दूसरे शहर जाने, व्यापार करने और अगर वे हिंसा की शिकार हैं तो बच निकलने पर पाबंदी लगाता है।' दो मंत्रालय खत्म इसी महीने की शुरुआत में तालिबान ने अपने सर्वोच्च नेता के नाम पर एक आदेश जारी किया था जिसमें सरकार से महिला अधिकार लागू करने को कहा गया था। लेकिन इसमें लड़कियों की शिक्षा का जिक्र नहीं था। उच्च शिक्षा मंत्री अब्दुल बाकी हक्कानी ने रविवार का कहा कि इस विषय पर विचार किया जा रहा है।

हक्कानी ने कहा, इस्लामिक अमीरात महिलाओं की शिक्षा के विरुद्ध नहीं हैं लेकिन सह-शिक्षा के खिलाफ हैं। हम एक इस्लामिक माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं जिसमें महिलाएं पढ़ाई कर सकें। इसके लिए कुछ समय लग सकता है।'' इस बीच सरकार ने दो चुनाव आयोगों और दो मंत्रालयों को यह कहते हुए भंग कर दिया है कि इनकी जरूरत नहीं है। सरकार के उप प्रवक्ता बिलाल करीमी ने बताया कि स्वतंत्र चुनाव आयोग और चुनाव शिकायत आयोग को भंग कर दिया गया है। करीमी ने साथ ही शांति और संसदीय मामलों के मंत्रालयों को खत्म किए जाने की भी सूचना दी। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में देश को इन संस्थानों की जरूरत नहीं है।

नए साल में दु?निया की अर्थव्यवस्था छुएगी नई ऊंचाई

लंदन (ईएमएस)। दुनिया का आर्थिक उत्पादन अगले साल पहली बार 100 लाख करोड़ डॉलर को पार कर जाएगा। साथ ही चीन को नंबर 1 अर्थव्यवस्था के रूप में संयुक्त राज्य अमेरिका से आगे निकलने में पहले की तुलना में थोड़ा अधिक समय लगेगा। यह बात एक रिपोर्ट में कही गई। ब्रिटिश कंसल्टेंसी ने सीईबीआर अनुमान जताया है कि चीन 2030 में डॉलर के मामले में दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्था बन जाएगा, जो पिछले साल की वर्ल्ड इकोनॉमिक लीग टेबल रिपोर्ट के पूर्वानुमान से दो साल की देरी है। सीईबीआर ने कहा कि भारत अगले साल फ्रांस और फिर 2023 में ब्रिटेन से आगे निकलकर दुनिया की छठीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में अपना स्थान फिर हासिल करने के लिए तैयार है। सीईबीआर के एक मुख्य अ?धिकारी ने कहा कि 2020 के लिए महत्वपूर्ण मुद्दा यह है कि विश्व अर्थव्यवस्थाएं मुद्रास्फीति से कैसे निपटती हैं, जो अब अमेरिका में 6.8 फीसदी तक पहुंच गई है।हमें उम्मीद है कि अपेक्षाकृत मामूली समायोजन गैर-क्षणिक तत्वों को नियंत्रण में लाएगा। यदि नहीं तो दुनिया को 2023 या 2024 में मंदी के लिए खुद को तैयार करने की आवश्यकता होगी। रिपोर्ट से पता चलता है कि जर्मनी 2033 में आर्थिक उत्पादन के मामले में जापान से आगे निकलने की राह पर है। रूस 2036 तक टॉप 10 अर्थव्यवस्था बन सकता है और इंडोनेशिया 2034 में नौवें स्थान की राह पर है।

ओमीक्रोन ने अमेरिका समेत दुनिया के 100 से ज्यादा देशों में दी दस्तक

वाशिंगटन (ईएमएस)। कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। ओमीक्रोन ने 100 से ज्यादा देशों में अपने पैर पसार लिए है। अमेरिका में भी ओमीक्रोन तेजी से बढ़ रहा है। एक रिसर्च के मुताबिक कुछ देशों में ओमीक्रोन की वजह से सबसे ज्यादा बच्चे प्रभावित हो रहे हैं। यही कारण है कि कई देशों में बच्चों के हॉस्पिटलाइजेशन की दरों में बढ़ोतरी देखी गई है।

न्यूयॉर्क स्टेट डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ के एक बयान के मुताबिक कोविड-19 से जुड़े अस्पतालों में बच्चे काफी संख्या में भर्ती हो रहे हैं। न्यूयॉर्क शहर में भी यह आंकड़ा लगातार बढ़ गया है। अमेरिका के साथ-साथ कई यूरोपीय देशों में भी कोरोना वायरस के खतरे में एकाएक बढ़ोतरी देखी गई है। अमेरिका में जहां औसतन 1 दिन में लगभग 190000 नए मामले आ रहे हैं तो वही ब्रिटेन में भी यह आंकड़ा 100000 के पार है।

अमेरिका के टेक्सास में बच्चे बहुत ज्यादा संक्रमित हो रहे हैं। अस्पतालों में 18 साल से कम उम्र के लोगों की भर्ती ज्यादा हो रही है। इन सब के बीच अमेरिका में साल के सबसे व्यस्ततम यात्रा समय के दौरान, छुट्टियों के मौसम का मजा किरकिरा करते हुए विमानन कंपनियों ने शनिवार को भी सैकड़ों उड़ानों को रद्द कर दिया है। शुक्रवार को रद्द की गई 690 उड़ानों की तुलना में शनिवार को अमेरिका में प्रवेश करने, यहां से उड़ान भरने वाली या अंदर जाने वाली लगभग 1,000 उड़ानें रद्द की गई। रविवार के लिए 250 से अधिक उड़ानें पहले ही रद्द की जा चुकी हैं। विमानन कंपनियों ने बताया कि ओमीक्रोन स्वरूप के कारण कर्मचारियों की समस्या हो रही है जिसके कारण उड़ानें रद्द हो रही हैं। यूनाइटेड की प्रवक्ता मैडी किंग ने कहा स्टाफ की कमी अभी उड़ानें रद्द होने का कारण बन रही है और यह स्पष्ट नहीं है कि सामान्य परिचालन फिर से कब शुरू हो पाएगा।

सीआरपीएफ के मोबाइल बंकर पर ग्रेनेड हमला

जम्मू (ईएमएस)।आतंकियों के खिलाफ सुरक्षा बलों के कड़े तेवर से बौखलाए आतंकियों ने हिट एंड रन की नीति पर काम करने के प्रयास कर रहे हैं।फिर आतंकियों ले बिजबेहाड़ा में ग्रेनेड हमला किया। इस बार आतंकियों ने सीआरपीएफ के मोबाइल बंकर को निशाना बनाया, लेकिन फिलहाल इसमें किसी नुकसान की कोई सूचना नहीं मिल रही है। दूसरी ओर हमले के तुरंत बाद सुरक्षा बलों ने इलाके को घेरकर सर्च आपरेशन शुरू कर दिया है।

मुताबिक अनंतनाग जिला अंतर्गत पड़ने वाले बिजबेहाड़ा में सीआरपीएफ के जवान रुटीन गश्त पर थे। तभी नेशनल हाईवे पर बिजबेहाड़ा चौराहे के पास अरवानी क्रॉसिंग पर आतंकियों ने सीआरपीएफ के मोबाइल बंकर पर ग्रेनेड फेंका। संयोग से इस हमले में कोई बड़ी क्षति नहीं हुई। माना जा रहा है कि हमला करने वाले लश्कर-ए-तैयबा के मुखौटा संगठन द रजिस्टेंस फ्रंट के आतंकी थे। बहरहाल, अभी कुछ स्पष्ट कहा नहीं गया है।

इजरायल के मुस्लिम शासकों के गलत आचरण के कारण ही फैला ओमिक्रॉन

लंदन (ईएमएस)।फिलिस्तीन के इस्लामिक इमाम शेख इस्साम अमीरा ने कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि इजरायल के मुस्लिम शासकों के गलत आचरण के कारण ही कोरोना अलग-अलग रूपों में फैल रहा है।यरुशलम के अल-अक्सा मस्जिद में संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि शासक समलैंगिकता की अनुमति देते हैं,वहीं नारीवादी संगठनों का पालन करते हैं, इसलिए कोरोना अपने 'भारतीय संस्करण' और ओमिक्रॉन रूप में पूरी दुनिया में फैल गया है।अमीरा ने भारत में सबसे पहले डिटेक्ट हुए कोविड वैरिएंट डेल्टा को भारतीय वैरिएंट कहकर संबोधित किया है।

वीडियो में साफ दिख रहा हैं, अमीरा लोगों के बीच खड़े होकर मुस्लिम शासकों और मीडिया पर निशाना साध रहे हैं।वहां मीडिया को काफिर बताकर लोगों से कह रहे हैं कि जिन शासकों के कारण ये विपत्ति आई है, उनके खिलाफ सभी मुसलमानों को एकजुट होना चाहिए।

अमीरा कह रहे हैं, यह घृणा क्यों फैली है? कोरोना ,अपने भारतीय संस्करण और ओमिक्रॉन वैरिएंट के साथ क्यों फैल गया है? ये कौन से नाम हैं, ये रोग, जो हमारे पूर्वजों को नहीं पता थे? इसका कारण साफ है। अनैतिकता लोगों के बीच इस हद तक कभी नहीं फैली कि वहां सभी को बताते चलें।फिर ये सभी बातें किसने फैलाई? आम लोग ने? नहीं, ये काफिर और लाइसेंसी मीडिया का काम है, जो ये बातें सभी को बताता है।

उन्होंने मुस्लिम शासकों पर निशाना साधकर कहा, ये हमारे उन शासकों के कारण फैला है, जो समलैंगिकता को अनुमति देकर बढ़ावा देते हैं। ये हमारे उन शासकों के कारण फैला है जो नारीवादी संगठनों, सीईडीएडब्ल्यू (महिलाओं के खिलाफ भेदभाव के उन्मूलन पर समिति का पालन करते हैं और लैंगिक मुद्दों पर बात करते हैं...ये सभी बीमारियों के प्रसार के अग्रदूत हैं, जो हमारे पूर्वजों के बीच मौजूद नहीं था।

फिलिस्तीनी इमाम का कहना है कि मुस्लिम शासकों के कारण ही कोरोना जैसी आपदा आई है,इसकारण सभी मुसलमानों को इनके खिलाफ एकजुट होना चाहिए।उन्होंने कहा, 'क्रूर शासकों के खिलाफ व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से सभी मुसलमानों के प्रयासों को एकजुट करना आवश्यक है. यही शासक हम पर ये आपदा लेकर आए हैं।

शेख इस्साम अमीरा का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया जा रहा है और लोग उनकी आलोचना कर रहे हैं।अमेरिकी लेखक रॉबर्ट स्पेंसर ने भी ट्वीट किया है। अल-अक्सा मस्जिद में मुस्लिम विद्वान ने कहा, अल्लाह ने इजरायल और समलैंगिकता की वजह से ओमिक्रॉन वैरिएंट को भेजा है।

श्रीलंकाईयों से बिना एनओसी शादी नहीं कर सकेंगे विदेशी

-इस फैसले की विपक्ष और कई सिविल ग्रुप कर रहे हैं आलोचना

कोलंबो(ईएमएस)। अगर किसी को श्रीलंका के नागरिक से शादी करनी है तो उसे पहले यहां के रक्षा मंत्रालय से नो ऑबजेक्शन सर्टिफिकेट यानी एनओसी लेनी होगी। सुरक्षा कारणों से श्रीलंका ने यह अनिवार्य किया है। श्रीलंका के इस फैसले की विपक्ष और कई सिविल ग्रुप्स आलोचना कर रहे हैं। नया कानून 1 जनवरी, से प्रभावी होगा। रजिस्ट्रार जनरल वीरासेकेरा ने जारी किए सर्कुलर में कहा था कि यह फैसला सुरक्षा कारणों से लिया गया है।

सर्कुलर के मुताबिक, संबंधित अधिकारियों ने विदेशियों संग श्रीलंकाई नागरिकों की शादी के कारण उपजने वाले सुरक्षा खतरों को लेकर चर्चा की। इसके बाद यह फैसला लिया गया कि इस तरह की शादी का पंजीकरण विदेशी नागरिक द्वारा सिक्योरिटी क्लियरेंस लेने के बाद एडिशनल डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार के

सीएम की गांधीनगर सिविल में सरप्राइज विजिट

सीएम की सिविल के कोविड-ओमीक्रॉन वार्ड में विजिट

अस्पताल में की गई व्यवस्था की समीक्षा करके सिर्फ डॉक्टर ही नहीं सफाईकर्मी के साथ भी बात की

गांधीनगर, २७ दिसंबर।

कोरोना के नए केस में लगातार वृद्धि हो रही है ऐसे में दूसरी लहर जिस परिस्थिति का निर्माण नहीं हो इसके लिए जरूरी तैयारियां कर ली गई है। इसके साथ ओमीक्रॉन के अस्पताल में अलग से वार्ड भी बनाया गया है। ऐसे में सोमवार को सुबह में राज्य के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की अचानक मुलाकात के लिए गांधीनगर सिविल अस्पताल पहुंच गये। यहां पहुंचकर उन्होंने आगामी समय में जरूरत हो सके इसके लिए कैसी तैयारियां सिविल अस्पताल में की गई है इसकी समीक्षा की। गांधीनगर सिविल में पहुंचे मुख्यमंत्री पटेल ने ओमीक्रॉन और कोविड वार्ड की मुलाकात की। उन्होंने यहां की गई व्यवस्था की समीक्षा करने के साथ वहां मौजूद डॉक्टर और स्टाफ के साथ भी बातचीत की। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने अस्पताल पहुंचकर वहां की सफाई, जरूरी व्यवस्था, कोरोना के मरीजों को मिलती सुविधाएं की जांच की। उन्होंने अस्पताल में साफ-सफाई, दवाइयां, मरीजों को दी जाती सुविधा की खुद जांच की थी। इसके साथ उन्होंने यहां बनाया गया आईसीयू वार्ड की भी जांच करके वहां की व्यवस्था मामले में स्टाफ के साथ बातचीत की। सिर्फ डॉक्टर या अस्पताल के अधिकारी ही नहीं लेकिन सफाई कर्मचारी से लेकर अस्पताल में भर्ती हुए मरीजों के पास जाकर भी उन्होंने बातचीत की। उन्होंने सफाई मामले में सफाईकर्मी को भी सूचनाएं दी और मरीजों के साथ बात करके उनको मिलती सुविधाओं मामले में जानकारी ली। तीसरी लहर मामले में जो संभावनाएं और आशंका व्यक्त की जा रही है तब तीसरी लहर आने के बाद कोई व्यवस्था या साधनों की कमी नहीं हो इसके लिए भूपेन्द्र पटेल द्वारा अस्पताल की खुद जांच की गई हो ऐसा माना जा रहा है। यह सरप्राइज विजिट की वजह से वहां मौजूद स्टाफ भी आश्चर्य में पड़ गये। इसके अलावा उन्होंने अस्पताल में कोरोना की स्थिति से निपटने के लिए कौन-सी बातें जरूरी होगी यह मामले में विचार-विमर्श स्टाफ के साथ की।

अहमदाबाद में चार क्षेत्रों में केस बढ़ गया

उस्मानपुरा, चांदलोडिया, चांदखेडा और थलतेज में कोरोना में उछाल

कोरोना के केस बढ़ रहे है ऐसे कई वार्ड की पहचान करके प्रशासन द्वारा कोर्डन करने की शुरूआत कर दी गई

अहमदाबाद, २७ दिसंबर।

गुजरात में कोरोना का आतंक फिर एक बार देखने को मिल रहा है। गुजरात में कोरोना का सबसे ज्यादा आतंक अहमदाबाद में देखने को मिल रहा है। अहमदाबाद फिर एक बार कोरोना होटस्पोट साबित हो रहा है।

ऐसे में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन तंत्र भी सख्ती से काम ले रहा है। जैसे-जैसे केस में वृद्धि हो रही है वैसे वैसे सरकार की चिंता में भी वृद्धि हो रही है। कोरोना के केस बढ़ रहे हैं ऐसे कई वार्ड की पहचान करके अब प्रशासन द्वारा इसे कोर्डन करने की शुरूआत कर दी गई। कंटेइनमेंट जोन बनाकर संक्रमण रोकने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। शहर के उस्मानपुरा, चांदलोडिया, चांदखेडा और थलतेज में केस में उछाल देखने को मिल रहा है। जिसकी वजह से इसमें रही कई सोसाइटी की पहचान करके इसे माइक्रो कंटेइन्मेंट जारी किया गया है उस्मानपुरा की विद्यानगर सोसाइटी के बंगले को माइक्रो कंटेइन्मेंट जोन जारी किया गया है। शहर में कुल ४ माइक्रो कंटेइन्मेंट जोन जारी किया गया है। जिसमें थलतेज के अहर्म बंगला भी शामिल है। अहर्म बंगले के ३ मकान माइक्रो कंटेइन्मेंट जारी किया गया है। जिसमें १२ लोग रहते है। गत २४ घंटे में ही ५२ नए केस सामने आये हैं। उत्तर पश्चिम जोन में कोरोना १२० को पार कर चुका है। जैसे-जैसे केस बढ़ रहे है वैसे वैसे कोरोना को रोकने के लिए प्रशासन द्वारा और कड़ी कार्रवाई की जा रही है। किसी भी स्थिति से निपटने के उद्देश्य से अभी से ही ट्रेसिंग और टेस्टिंग सरकार द्वारा शुरू किया गया है। इस मामले में गुजरात के स्वास्थ्य विभाग के साथ लगातार संकलन बनाकर काम किया जा रहा है।

दुनियाभर में अभी ओमीक्रॉन के केस बढ़ रहे है

अस्पताल में भर्ती नहीं होना चाहते है ओमीक्रॉन के मरीज

ओमीक्रॉन के मरीजों में लक्षण नहीं दिखाई देने की वजह से अस्पताल आने के लिए तैयार नहीं है, पुलिस की देनी पड़ती है धमकी

अहमदाबाद, २७ दिसंबर।

दुनियाभर में अभी कोरोना के ओमीक्रॉन वेरिएंट के केस बढ़ रहे है। ओमीक्रॉन वेरिएंट की एक उल्लेखनीय बात है कि इसमें अधिकतर केस में मरीजों में लक्षण नहीं दिखाई देते है।

इस स्थिति में मरीजों को प्रश्न होता है कि उनको कोई लक्षण नहीं है, हम बीमार नहीं है फिर अस्पताल में भर्ती क्यों होना। वडोदरा शहर की बात करे तो, यहां नए वेरिएंट के १७ केस दर्ज हुए हैं, इसमें से सिर्फ एक ही व्यक्ति को लक्षण था। बाकी सभी मरीजों में एक भी लक्षण देखने को नहीं मिला। एक मरीज में लक्षण देखने को मिला कि वह मंजलपुर से आये है। सूत्रों के बताये अनुसार, कोविड-१९ टेस्टिंग के लिए आरटी-पीसीआर के लिए सैंपल के लिए और जीनोम सिकवर्न्सिग के रिपोर्ट आने के दौरान एक सप्ताह का समय होता है। मंजलपुर के मरीज के केस में जीनोम सिकवर्न्सिग रिपोर्ट २४ दिन बाद आया था। रिपोर्ट का इतना लेट परिणाम आया तो संभव है कि इतने समय में कोरोना नेगेटिव हो जाएगा। १७ दिसंबर को मंजलपुर के मरीज के परिवार का टेस्ट नेगेटिव आया था, लेकिन शनिवार को फिर से उनके सैंपल लिया गया। अधिकतर ओमीक्रॉन केस रुटिन स्क्रीनिंग या तो कोन्टेक्ट ट्रेसिंग के दौरान सामने आते है। यहां उल्लेखनीय बात है कि, जितने केस सामने आये है इसमें से एक ही केस का संपर्क वह देश के साथ जिसका शामिल एट रिस्क देशों की सूची में किया गया हो। वडोदरा म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों के बताये अनुसार, जबकि वह मरीजों को अस्पताल में भर्ती करने के लिए जाते है तो लोगों के प्रश्न और विरोध का सामना करना पड़ता है। गाइडलाइन के अनुसार, ओमीक्रॉन पॉजिटिव मरीज को अस्पताल में अनिवार्य रूप से भर्ती करना पड़ता है। एक कर्मचारी बताता है कि, मरीज अस्पताल आने के लिए तैयार नहीं होते। हम उनको कहते है कि, यदि वह सहयोग नहीं देंगे तो हमें पुलिस को बुलाना पड़ेगा। मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर देवेश पटेल बताते है कि हमें जो गाइडलाइन दी गई है उसका हम पालन करते हैं।

आप नेता महेश सवाणी की तबियत बिगड़ी, पेपर लीक कांड को लेकर अनशन पर हैं

अहमदाबाद (ईएमएस) आम आदमी पार्टी (आप) नेता महेश सवाणी की तबियत बिगड़ने पर उन्हें अहमदाबाद के एसवीपी अस्पताल ले जाया गया हैं पेपर लीक कांड को लेकर पिछले 4 दिनों से महेश सवाणी अनशन कर रहे हैं आप नेताओं की गिरफ्तारी के विरोध समेत महेश सवाणी गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल के अध्यक्ष असित वोरा का इस्तीफा और परीक्षा देने वाले परीक्षार्थियों को मुजावजा देने की मांग कर रहे हैं बता दें कि हेड क्लर्क की परीक्षा का पर्चा लीक होने के बाद सरकार ने परीक्षा रद्द कर दोबारा लेने का फैसला किया हैं महेश सवाणी की मांग है कि परीक्षार्थियों को मुआवजा दिया क्योंकि परीक्षार्थी खर्च से परीक्षा देने आए थे इन मांगों को लेकर अनशनरत महेश सवाणी का शुगर लेवल घटने पर डॉक्टरों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी थी जिसके बाद आप नेता महेश सवाणी को एम्ब्युलैंस 108 में अहमदाबाद के एसवीपी अस्पताल ले जाया गया हैं

स्वास्थ्य मंत्री ने तीसरी लहर की आशंका जताई, कहा-सरकार किसी भी स्थिति के लिए तैयार

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री ने राज्य में लगातार बढ़ते कोरोना के मामलों को देखते हुए तीसरी लहर की आशंका जताई हैं साथ ही कहा है कि राज्य सरकार किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं राज्य के अस्पतालों में आईसीयू बेड समेत सभी व्यवस्थाएं की गई हैं उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने एक एप्लीकेशन तैयार की है, जिसकी मदद से संबंधित व्यक्ति के निकट के किसी अस्पताल में बैड खाली है, उसकी जानकारी प्राप्त हो सकेगी आईसीयू और ऑक्सीजन बैड समेत सभी जानकारियां इस एप के जरिए लोगों को मिलेंगी ताकि किसी भी नागरिकों को अस्पताल खोजने में असुविधा नहीं हो और उसका समय पर उपचार शुरू हो सके मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल आज ही इस एप को लोंच करेंगे स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि तीसरी लहर की आशंका को देखते हुए लोगों के लिए कोरोना गाइडलाइन का पालन करना अनिवार्य हैं सरकारी कार्यक्रमों का कोरोना गाइडलाइन के मुताबिक आयोजन किया जाता है, ताकि उसका सही तरीके से पालन हो सके केवल फोटोग्राफी के दौरान ही मास्क निकाला जाता है और बाकी समय में सभी मास्क लगाए रहते हैं गौरतलब है कि तीसरी लहर की आशंका को देखते हुए केन्द्र सरकार ने नई गाइडलाइन जारी की है और इसका कड़ाई से अमल करने का राज्य सरकारों को आदेश दिया हैं गाइडलाइन के मुताबिक सोसायटियों में पॉजिटिव रेट 10 प्रतिशत से अधिक होने पर उसे अतिगंभीर माना जाएगा जबकि कंटेंटमेंट जोन में 40 प्रतिशत से अधिक लोगों के संक्रमित होने पर गंभीर माना जाएगा केन्द्र सरकार ने जरूरत के मुताबिक क्लस्टर और माइक्रो कंटेंटमेंट जोन घोषित करने और अस्पताल में पर्याप्त मात्रा में दवाईयां और स्टाफ समेत अस्पताल के स्टाफ को तालीमबद्ध करने का भी आदेश दिया हैं

गुजरात में ओमिक्रॉन के 24 नए मामले, अब तक दर्ज हो चुके हैं कुल 73 केस

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना के साथ ही इसके नए वेरिएन्ट ओमिक्रॉन के मामलों में लगातार इजाफा हो रहा हैं सोमवार को राज्य में ओमिक्रॉन के 24 नए मामले सामने आए जिसमें 23 की इंटरनेशनल ट्रावेल हिस्ट्री हैं राज्य में ओमिक्रॉन केसों की संख्या 73 हो गई है, जिसमें 17 लोग ठीक हो चुके हैं स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक सोमवार को राज्य में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 8 पुरुष और 5 महिला समेत कुल 13 ओमिक्रॉन के मरीज सामने आए हैं गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 4, राजकोट कॉर्पोरेशन में 3, अमरेली में 1, आणंद में 1, भरुच में 1 और वडोदरा में 1 समेत राज्यभर में ओमिक्रॉन के कुल 24 नए केस दर्ज हुए हैं 24 नए केसों में 17 लोगों की इंटरनेशनल ट्रावेल हिस्ट्री है, जबकि 7 नागरिकों की ऐसी कोई हिस्ट्री नहीं हैं 24 नए मामलों के साथ गुजरात में ओमिक्रॉन केसों की संख्या 73 हो गई हैं जिसमें सबसे अधिक अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 24, वडोदरा में 17, खेडा में 6, आणंद में 5, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 5, जामनगर कॉर्पोरेशन में 3, मेहसाणा में 3, सूरत कॉर्पोरेशन में 2, राजकोट में 1, भरुच में 1 और वडोदरा में 1 समेत राज्यभर में ओमिक्रॉन के कुल 73 केस दर्ज हो चुके हैं और उसमें 17 लोग ठीक हो चुके हैं

किसान आंदोलन के कारण अहमदाबाद-जम्मूतवी एक्सप्रेस प्रभावित रहेगी

अहमदाबाद (ईएमएस) उत्तेर रेलवे के फिरोजपुर मंडल में किसान आंदोलन के कारण अहमदाबाद-जम्मूतवी-अहमदाबाद एक्सप्रेस शॉर्ट टर्मिनेट तथा शॉर्ट ओरिजिनेट होगी। मण्डल रेल प्रवक्ता अहमदाबाद के अनुसार इन प्रभावित ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:-

शॉर्ट-टर्मिनेशन/शॉर्ट-ओरिजिनेशन होने वाली ट्रेनें:

☐ 29 दिसम्बणर, 2021 की ट्रेन संख्याल 19223 अहमदाबाद-जम्मूतवी एक्सप्रेस भटिंडा स्टेसशन पर शॉर्ट-टर्मिनेट होगी।

☐ 29 दिसम्बणर, 2021 की ट्रेन संख्याल 19224 जम्मूतवी - अहमदाबाद एक्सप्रेस भटिंडा स्टे शन से शॉर्ट-ओरिजिनेट होगी।

गुजरात में 24 घंटों में कोरोना का आंकड़ा 200 के पार, एक्टिव केसों संख्या हुई 1086

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में सोमवार को कोरोना के 204 नए मरीज सामने आए हैं, जिसमें सबसे अधिक अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 98 मामले शामिल हैं इसी के साथ राज्य में सक्रिय मरीजों की संख्या एक हजार को पार गई हैं राज्य में 65 मरीजों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया रिकवरी रेट भी घटकर 98.65 हो गया हैं जामनगर कॉर्पोरेशन में कोरोना से एक मरीज की मौत हो गई स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटों में सबसे अहमदाबाद में कोरोना के 98 केस दर्ज हुए हैं राजकोट कॉर्पोरेशन में 33, सूरत कॉर्पोरेशन में 22, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 16, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 4, खेडा में 4, महीसागर में 3, राजकोट में 3, अहमदाबाद में 2, आणंद में 2, भरुच में 2, कच्छ में 2, कच्छ में 2, बनासकांठा में 1, भावनगर कॉर्पोरेशन में 1, दाहोद में 1, गांधीनगर में 1, जामनगर कॉर्पोरेशन में 1, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 1, मेहसाणा में 1, नवसारी में 1, पंचमहल में 1, सूरत में 1, सुरेन्द्रनगर में 1. वडोदरा में 1 और वलसाड में 1 समेत राज्यभर में कोरोना के कुल 204 नए मामले सामने आए हैं इसी के साथ राज्य में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या 1086 पर पहुंच गई हैं जिसमें 1072 स्टेबल हैं और 14 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं वहीं वडोदरा कॉर्पोरेशन में 10, अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 8, सूरत कॉर्पोरेशन में 8, गिर सोमनाथ में 7, खेडा में 6, गांधीनगर में 5, नवसारी में 4, राजकोट में 3, सूरत में 3, आणंद में 2, भावनगर कॉर्पोरेशन में 2, जामनगर कॉर्पोरेशन में 2, वडोदरा में 2, कच्छ में 1, भावनगर में 1 और तापी में 1 समेत राज्यभर में कुल 65 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया राज्य में अब तक कुल 818363 लोग कोरोना को मात दे चुके हैं जामनगर कॉर्पोरेशन में आज एक मरीज की मौत के साथ राज्य में कोरोना का मृतांक 10114 हो गई दूसरी ओर राज्य में चल रहे टीकाकरण अभियान के तहत आज राज्यभर में 402136 लोगों को वैक्सीनेट किया गया 7 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 2558 को कोरोना का दूसरा डोज दिया गया 45 वर्ष से अधिक आयु के 13944 नागरिकों को पहला और 87118 को कोरोना का दूसरा टीका लगाया गया 18 से 45 वर्ष आयु के 44380 को पहली और 254129 लोगों को कोविड की दूसरी वैक्सीन लगाई गई राज्य में अब तक 8 करोड़ 85 लाख 98 हजार 366 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका हैं

गुजरात में 15 से 18 वर्षीय 35 लाख से अधिक किशोरों का टीकाकरण होगा

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात समेत देशभर में 15 से 18 वर्षीय किशोरों को वैक्सीनेशन को लेकर बड़ी खबर सामने आई हैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को 3 जनवरी से किशोरों के टीकाकरण किए जाने का ऐलान किया था किशोरों को वैक्सीनेशन के बारे में कल शाम तक स्पष्ट हो जाएगा 28 दिसंबर को केन्द्र सरकार के स्वास्थ्य विभाग और सभी राज्यों के स्वास्थ्य विभागों के बीच वीडियो कोन्फरन्स होनी है, जिसमें 15 से 18 वर्षीय किशोरों के टीकाकरण के संदर्भ में चर्चा होगी यानी कल शाम तक स्पष्ट हो जाएगा कि किशोरों का किस प्रकार टीकाकरण किया जाएगा गुजरात में 35 लाख से अधिक किशोरों का टीकाकरण होना है, जिसके बारे में कल शाम तक गाइडाइन सामने आ जाएगी बता दें कि 25 दिसंबर को पीएम मोदी ने देशवासियों को संबोधित करते हुए टीकाकरण को लेकर कई घोषणा की थी जिसमें 3 जनवरी 2022 से देशभर में 15 से 18 वर्षीय किशोरों को टीका लगाने की घोषणा भी शामिल हैं इसके अलावा पीएम मोदी ने 10 जनवरी 2022 से फ्रंटलाइन वर्कर और 60 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को भी प्रीकोशन डोज यानी बुस्टर डोज देने का भी ऐलान किया था

शहर में ओमिक्रॉन का पहला मरीज हुआ स्वस्थ, अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात समेत देशभर में ओमिक्रॉन के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं दुनियाभर में हाहाकार मचानेवाला कोरोना का नया वेरिएन्ट ओमिक्रॉन अब भारत में अपने पैर पसार रहा हैं गुजरात में ओमिक्रॉन के मामले 50 पर पहुंच गए हैं ओमिक्रॉन के हव्वा के बीच अहमदाबाद में इसके पहले मरीज को ठीक होने के बादडि स्चार्ज किया गया हैं लंदन से आए इस मरीज में कोरोना के कोई लक्षण नहीं थे, इसके बावजूद ओमिक्रॉन की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में ओमिक्रॉन वार्ड में 13 दिन उपचार के बाद रिपोर्ट नेगेटिव आने पर उसे डिस्चार्ज कर दिया गया 15 दिसंबर को मरीज को ओमिक्रॉन के संदिग्ध मामले के रूप में अस्पताल में भर्ती किया गया था जहां 19 दिसंबर को ओमिक्रॉन की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी दरअसल आणंद के 48 वर्षीय प्रफुल्ल शास्त्री लंदन से अहमदाबाद आए थे और एयरपोर्ट पर कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में ओमिक्रॉन के लिए बनाए गए अलग वार्ड में प्रफुल्ल शास्त्री इकलौता मरीज थे स्वस्थ होने के बाद प्रफुल्ल शास्त्री ने बताया कि ओमिक्रॉन से डरने की जरूरत नहीं बल्कि सतर्क रहने की जरूरत हैं ओमिक्रॉन के मुझे में कोई लक्षण नहीं थे, परंतु रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी

अहमदाबाद मंडल के 02 रेल कर्मचारी रेल संरक्षा में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर रेलवे संरक्षा के प्रति जागरूक रहने एवं सतर्कता के साथ उत्कृष्ट कार्य करने वाले 2 रेलकर्मियों को मण्डल रेल प्रबंधक तरुण जैन ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। मण्डल रेल प्रबंधक तरुण जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि रेलवे में संरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा प्रत्येक रेलकर्मी इस हेतु सजग रहता है। डयूटी के दौरान उनकी सजगता से रेल दुर्घटनाओं की आशंका दूर होती है वहीं ये कुशल एवं सजग प्रहरी दूसरे रेल कर्मियों के प्रति भी अनुकरणीय उदाहरण बनते हैं। डयूटी के दौरान सजगता, सतर्कता एवं जागरूकता से कार्य करने से रेल हादसों को टाला जा सकता है। वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी ए.वी. पुरोहित के अनुसार अहमदाबाद मण्डल के उल्लेखनीय कार्य करने वाले 02 रेलकर्मी जिन्होंने संभावित रेल हादसों को रोकने में लगन,निष्ठा एवं मेहनत से समय रहते हुए कार्य किया एवं उच्च अधिकारियों को सूचित किया जिससे संभावित दुर्घटनाओं को टाला जा सका।जिनका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार हैं:-

अशोक चंदू टेक्नीशियन कोचीग डिपो अहमदाबाद दिनांक 04.12.2021 को गाड़ी संख्या 20823 (पुरी-अजमेर एक्स्प्रेस) के कोच संख्या 194849/ऊर्ण/र्ण्ड मे रोलिंग परीक्षण के दौरान साउथ वेस्ट प्राइमरी आउटर स्प्रिंग को टूटी हुई देखा जिसकी जानकारी अपने पर्यवेक्षक को दिया। यह सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण था तथा इस अवस्था मे कोच को चलाना असुरक्षित था,इसलिए ट्रेन को 80 ख्श्झ् की स्पीड से गंतव्य तक जाने की अनुमति प्रदान की गई। यह उनकी सतर्कता व समय सुचकता के कारण रेल दुर्घटना को होने से बचाया गया यह कार्य अत्याधिक सराहनीय एंवम प्रशंसा के पात्र है।

रेंवत छ,छ्ढ्ढ*छ्लृङ्क–ङ्खछ्ढ्ढद्भङ्खङ्क वेक द्वारा दिनाँक 19.12.2021 को ट्रेन नंबर ळ्ग्ख/ख्ख्ड्ड, लोको संख्या 12654 में कार्यरत थे। गाड़ी को पालनपुर से वाया भीलड़ी होते हुए महेसाणा के लिए कार्य कर रहे थे। धिनोज यार्ड के लाइन नं. 01 में गाड़ी का आगमन 09:50 बजे हुआ गाड़ी को यार्ड में प्रवेश करते समय गार्ड को झटका महसूस हुआ। गाड़ी का फाउलिंग मार्क साफ लार चेक किया तो पाया कि, रेल फ्रेक्चर है। श्री रेंवत राम, मालगार्ड, ने तुरंत उप स्टेशन अधीक्षक धीनोज को सूचित किया एवं ईंध्-धीनोज द्वारा जाँच करने के बाद लाइन नं. 01 को गाड़ी लेने के लिए अनफ़िट किया गया।

इस प्रकार अशोक चंदू टेक्नीशियन-अहमदाबाद कोचीग डिपो तथा रेंवत राम, मालगार्ड – पालनपुर सजगता के कारण होने वाली संभावित दुर्घटना को टाला गया एवं उनके त्वरित कार्यवाही के कारण होने वाली संभावित दुर्घटना बच गई। उनका यह कार्य अत्याधिक सराहनीय एवं प्रशंसनीय है।

पश्चिमी विक्षोप के चलते गुजरात में दो दिन बेमौसमी बारिश की संभावना

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिमी विभोक्ष के कारण उत्तर गुजरात के कई इलाकों में बेमौसमी बारिश का मौसम विभाग ने अनुमान व्यक्त किया है और बुधवार के बाद राज्य में ठंड बढ़ सकती हैं मौसम विभाग के मुताबिक 28 दिसंबर से राज्य में बेमौसमी बारिश हो सकती हैं पश्चमी विक्षोप के कारण उत्तर गुजरात के बनासकांठा, साबरकांठा, अरवल्ली, मोडासा, पाटण के अलावा कच्छ, मध्य गुजरात के महीसागर और दाहोद में दो दिन मावठ होने की संभावना हैं पोरबंदर, अमरेली और राजकोट समेत इलाकों में बदरी छाई रहेगी मावठ के बाद राज्य में ठंड का फिर जोर बढ़ेगा बदरी और बेमौसमी बारिश के बाद बुधवार से ठंड का कहर बढ़ेगा और न्यूनतम तापमान में 3-4 डिग्री की गिरावट आएगी राज्य में आगामी 48 घंटों तक बरसाती सिस्टम का आसर रहेगा और बाद मौसम सामान्य होगा

ऑनलाइन पढ़ाई पहली पसंद

कोरोना के केस बढ़ने पर स्कूलों में विद्यार्थियों की उपस्थिति कम हुई

कोरोना के केस में वृद्धि, इस परिणाम में अभिभावक बच्चों को स्कूल भेजने में संकोच और दहशत अनुभव कर रहे है

अहमदाबाद, २७ दिसंबर।

कोरोना के केस की संख्या घटने पर राज्य में स्कूलें चरणबद्ध शुरू की गई थी। लेकिन पिछले कुछ दिन से कोरोना के केस लगातार बढ़ रहे है।

इसके अलावा कोरोना के नए वेरिएंट ओमीक्रॉन के केस में भी वृद्धि दर्ज हो रही है। ऐसे में स्कूल में विद्यार्थियों की उपस्थिति कम होती दिखाई दे रही है। विशेषज्ञों का माने तो सोमवार से विद्यार्थियों की संख्या अभी घटेगी। राज्य में कोरोना के केस बढ़ने पर ८ महानगरों में नाइट कर्फ्यू के समय में बदलाव किया गया है। एक तरफ विभिन्न शहरों की स्कूलों में विद्यार्थी कोरोना संक्रमित होने के मामले भी बढ़ रहे है। इसी वजह से अभिभावक अपने संतानों को स्कल में भेजने का टाल रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार, अब विद्यार्थी ऑफलाइन के बदले ऑनलाइन पढ़ाई को पसंद कर रहे है। इसी वजह से स्कूलों में प्रत्यक्ष उपस्थिति में कमी देखने को मिल रही है। राज्य में कोरोना के केस लगातार बढ़ रहे है इसमें भी ओमीक्रॉन के केस की संख्या बढ़ने पर लोगों में डर बढ़ गया है। पिछले दो दिन से राज्य में कोरोना के केस १७० को पार कर गया है। विशेषज्ञों का माने तो आगामी दिनों में कोरोना के केस अभी भी बढ़ेंगे और फरवरी में तीसरी लहर आ सकती है। इस स्थिति की वजह से अभिभावकों में भारी डर देखने को मिल रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अहमदाबाद की निरमा स्कूल, उद्गम स्कूल, सत्व विकास स्कूल और महाराजा अग्रसेन स्कूल में भी कोरोना के केस सामने आये थे। इसके अलावा वडोदरा, राजकोट, सूरत सहित के शहरों की स्कूलों में भी कोरोना के केस सामने आये थे। सूरत और राजकोट की स्कूलों में और केस सामने आने पर भय का माहौल है और जिन अभिभावकों ने पहले बच्चों को स्कूल में भेजने की सहमति दी थी वह भी अब पीछे हट रहे होने की जानकारी मिली है। विद्यार्थियों की उपस्थिति स्कूलों में लगातार घट रही है और अधिकतर स्कूलों में फिर से ऑनलाइन कक्षाएं शुरू हुई हैं।

जीरो टॉलरेंस - पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक द्वारा अहमदाबाद मंडल का संरक्षा निरीक्षण

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री आलोक कंसल ने 23 दिसंबर, 2021 को अहमदाबाद मंडल का वार्षिक निरीक्षण किया। पालनपुर-अहमदाबाद खंड के गहन निरीक्षण के दौरान श्री कंसल ने पुलों, कर्वों, समपार फाटकों आदि पर संरक्षा मानकों के साथ-साथ पालनपुर, सिद्धपुर, उंझा, महेसाणा और साबरमती स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। महाप्रबंधक के साथ प्रमुख विभागाध्यक्ष, अहमदाबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक और मंडल शाखा अधिकारी भी थे। श्री कंसल ने साबरमती में माननीय सांसदों डॉ. किरीटभाई सोलंकी और श्री नरहरि अमीन, पालनपुर में माननीय सांसद श्री दिनेश अनावाडीया और महेसाणा में माननीय विधायक श्री रमनभाई पटेल से मुलाकात की। उन्होंने अहमदाबाद मंडल में चल रही विभिन्न ढांचागत और विकास परियोजनाओं की प्रगति से उन्हें अवगत कराया और माननीय सांसदों द्वारा दिए गए सुझावों को भी नोट किया।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार श्री कंसल ने पालनपुर स्टेशन पर आरपीएफ द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर लिया। स्टेशन के गहन निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने स्टेशन पर विभिन्न यात्री सुविधाओं का जायजा लिया तथा रनिंग रूम, क्रू लॉबी, एआरएमई और आरआरआई का निरीक्षण किया और रनिंग रूम में नवविकसित महिला क्रू विश्राम सुविधा का उद्घाटन किया। श्री कंसल ने कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए कई सुविधाओं का उद्घाटन किया जिसमें एक चिल्ड्रन पार्क, ओपन जिम, 12 टाइप छ्छ क्वार्टर एक बगीचे के साथ शामिल हैं। महाप्रबंधक ने पार्सल मैनेजमेंट सिस्टम (पीएमएस), ई-सेफ ऑपरेशन और सीसीटीवी रूम का भी उद्घाटन किया। इसके बाद श्री कंसल ने पालनपुर स्टेशन पर जन प्रतिनिधियों, पश्चिम रेलवे के ट्रेड यूनियनों/एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों और प्रेस मीडिया से बातचीत की। सिद्धपुर जाने के क्रम में महाप्रबंधक ने उमरदशी और छापी स्टेशनों के बीच एक महत्वपूर्ण पुल का संरक्षा निरीक्षण किया। सिद्धपुर स्टेशन पर महाप्रबंधक ने स्टेशन और स्टाफ क्वार्टर का गहन निरीक्षण किया और साथ ही रेलवे कॉलोनी गार्डन, गैंग टूल कम रेस्ट रूम और सोलर वाटर कूलर का उद्घाटन किया. तत्पश्चात श्री कंसल ने उंझा स्टेशन पर संरक्षा पहलुओं का निरीक्षण किया, जहां यात्री सुरक्षा पर एक नुक्कड़ नाटक किया गया।

श्री कंसल ने महेसाणा स्टेशन का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने आरआरआई, एसएसपी, ओएचई डिपो, गैंग और एक बड़े कॉलोनी का भी निरीक्षण किया। महेसाणा में महाप्रबंधक ने स्टाफ क्वार्टर, चिल्ड्रन पार्क, ओपन जिम, क्वार्टर मॉडयूल, सर्कुलेटिंग एरिया में पुनर्निर्मित उद्यान, ऑफिसर्स रेस्ट हाउस, क्विक वाटरिंग सिस्टम, ई-बीट पेट्रोलिंग मैनेजमेंट ऐप और एस एंड टी ट्रेनिंग सेंटर का भी उद्घाटन किया। एचआरएमएस पर एक आकर्षक और ज्ञानवर्धक नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया गया। श्री कंसल ने सूचना समृद्ध पुस्तिकाएं, पत्रक, पोस्टर और सूचनात्मक बोर्ड जारी किए जिससे कर्मचारियों को उनके दिन-प्रतिदिन के कार्य में लाभ होगा। इसके बाद महाप्रबंधक श्री कंसल ने जगुदान स्टेशन पर समपार, अंबलियासन स्टेशन पर पुल और कर्वों और डंगरवा-खोडियार खंड का संरक्षा निरीक्षण किया। साबरमती में श्री कंसल ने स्टेशन पर उत्पन्न अपसाइकल और रिसाइकिल रेलवे सामग्री/कचरे से बने मॉडयूलर बायो-टॉयलेट का उद्घाटन किया और जन प्रतिनिधियों, पश्चिम रेलवे के ट्रेड यूनियनों/एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों और प्रेस मीडिया के साथ बातचीत की।

गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने Koo App पर आधिकारिक तौर पर गुजराती भाषा की लॉन्च

अहमदाबाद, 22 दिसंबर, 2021: गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र रजनीकांत पटेल ने मेड-इन-इंडिया माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ख्दर्द्ज्ज पर आधिकारिक तौर पर गुजराती भाषा को लॉन्च किया। गुजराती भाषा की लॉन्चिंग के साथ ख्दर्द्ज्ज अब हिंदी, मराठी, कन्नड़, तमिल, तेलुगु, असमिया, पंजाबी, बंगाली और अंग्रेजी सहित 10 भाषाओं को सपोर्ट करता है। भारत का यह पहला बहुभाषी मंच देश में सभी 22 आधिकारिक भाषाओं को कवर करने के लिए अपना विस्तार करेगा।

लॉन्चिंग के दौरान मुख्यमंत्री ने दोहराया कि गुजराती को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक प्रमुख स्थान हासिल करना चाहिए और गुजरात के लोगों को अपनी मूल भाषा में स्वतंत्र रूप से अभिव्यक्ति करने, विचार साझा करने और ऑनलाइन बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

इस लॉन्